दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 बदल रहा है गोरखपुर

5 किसान ने विधवा भाभी और भतीजी के साथ दी जान...

8 मुरीद हुए सचिन तेंदुलकर

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 10 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 02 सितम्बर, 2024

यू-ट्यूब से सीखी जालसाजी, मदद के बहाने एटीएम से निकालने लगे रुपये

गोरखपुर में सरगना समेत 3 गिरफ्तार

गुलरिहा पुलिस ने अंतरजनपदीय गैंग के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी एटीएम बूथ पर मदद के बहाने बुजुर्गों और महिलाओं के कार्ड बदलकर रुपये निकाल लेते थे।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान बांसगांव इलाके के बेदौली बाबू गांव निवासी सुरजीत, पिपराइच के मुंडेरी के अमन शर्मा और चित्रकूट जिले के कवह थाना क्षेत्र के शत्रुधनपुरी लक्ष्मनपुरी निवासी इरफान के रूप में हुई।

- गोरखपुर,संवाददाता

तीनों आरोपी देवरिया जेल में एक साथ बंद थे। सरगना सुरजीत को वहां बांसगांव का सुधीर मिला। उसने यू–ट्यूब के एक वीडियो का जिक्र कर जालसाजी का नया तरीका बताया। जुलाई में जेल से छूटने के बाद सुधीर पंजाब चल गया। बाद में जब सुरजीत, इरफान और अमन जेल से बाहर आए तो यू–ट्यूब का वह वीडियो देखा। उसकी मदद से एटीएम और उसके बूथ के बारे में ढेर सारी जानकारियां जुटाईं।

गुलरिहा पुलिस ने अंतरजनपदीय गैंग के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी एटीएम बूथ पर मदद के बहाने बुजुर्गों और महिलाओं के कार्ड बदलकर रुपये निकाल लेते थे। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि जालसाजी का यह तरीका इन्होंने यू–ट्यूब पर वीडियो देखकर सीखा था। पुलिस ने इनके पास से 20 एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन, एक बाइक और तीन हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में से एक चित्रकूट जिले का रहने वाला है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान बांसगांव इलाके के बेदौली बाबू गांव निवासी सुरजीत, पिपराइच के मुंडेरी के अमन शर्मा और चित्रकूट जिले के कर्वी थाना क्षेत्र के शत्रुधनपुरी लक्ष्मनपुरी निवासी इरफान के रूप में हुई। गैंग का सरगना सुरजीत है, जिस पर कुशीनगर में पांच और गोरखपुर में सात केस दर्ज हैं। इरफान पर कुशीनगर में सात, पीलीभीत में तीन और गोरखपुर में एक केस दर्ज है। अमन शर्मा पर कुशीनगर में तीन और गोरखपुर में दो केस दर्ज हैं। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि 26 अगस्त को भटहट स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से रुपये निकालने गए पीड़ित का कार्ड मशीन में फंस गया। एटीएम कक्ष में गार्ड का नंबर लिखा था, जिस पर पीड़ित ने फोन किया तो कॉल रिसीव करने वाले ने बताया कि टेक्निशियन के आने पर कार्ड निकल जाएगा। पीड़ित कार्ड छोड़कर चला गया।

थोड़ी देर बाद उसके मोबाइल फोन पर खाते से 30 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी। जांच में पता चला कि एटीएम कक्ष में लिखा नंबर गार्ड का नहीं, बल्कि जालसाज का था, जो वहीं बगल में खड़ा होकर बात कर रहा था।

इससे पहले 16 अगस्त को जालसाजों ने भटहट स्थित एक एटीएम से रुपये निकालने आए पीड़ित की मदद के बहाने उसका कार्ड बदल दिया।

इसके बाद दूसरे एटीएम से 10 हजार रुपये निकाल लिए। दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पता चला कि एटीएम से ही दोनों घटनाएं की गई थीं। इसके बाद इस गैंग के सदस्यों की तलाश शुरू हुई।

जेल में मिले आरोपी, छूटे तो करने लगे जालसाजी

तीनों आरोपी देवरिया जेल में एक साथ बंद थे। सरगना सुरजीत को वहां बांसगांव का सुधीर मिला। उसने यू–ट्यूब के एक वीडियो का जिक्र कर जालसाजी का नया तरीका बताया। जुलाई में जेल से छूटने के बाद सुधीर पंजाब चल गया। बाद में जब सुरजीत, इरफान और अमन जेल से बाहर आए तो यू–ट्यूब का वह वीडियो देखा। उसकी मदद से एटीएम और उसके बूथ के बारे में ढेर सारी जानकारियां जुटाईं। कुशीनगर में इनके खिलाफ कई केस थे, इसलिए गोरखपुर में जालसाजी की साजिश रची।

कई एटीएम बूथ में लिख दिए थे अपने नंबर

बदमाशों के पास से विभिन्न बैंकों के 20 एटीएम कार्ड भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि ये करीब हर बैंक का एटीएम कार्ड अपने पास रखते थे, ताकि किसी से बदलते समय उसे संदेह न हो। सरगना सुरजीत दिनभर एटीएम की रेकी करता था। इरफान और अमन घटना को अंजाम देते थे। इन्होंने कई एटीएम में जाकर हेल्पलाइन और गार्ड के नाम के आगे अपने नंबर लिख दिए थे। इसकी जांच चल रही है।

एसएसपी ने की अपील

एटीएम से रुपये निकालते समय सावधानी बरतें। किसी अनजान या अन्य व्यक्ति पर संदेह होने पर डायल–112 पर सूचना दें। घर के बुजुर्गों या महिलाएं, जिन्हें एटीएम से रुपये निकालने में परेशानी हो, उन्हें न भेजें।

यूपी पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष बने राजेश वर्मा

24 सदस्यों की भी हुई नियुक्ति

भाजपा ने अति पिछड़ों को भी साधा, सहयोगी दलों के नेताओं को भी मिली जगह

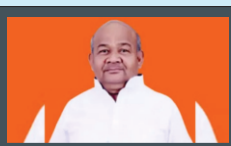

उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में लंबे समय से रिक्त चल रहे पदों पर आखिरकार नियुक्तियां हो गई हैं। सीतापुर से भाजपा के पूर्व सांसद राजेश वर्मा को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। आयोग में 24 सदस्य भी बनाए गए हैं। सभी का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने से एक वर्ष के लिए होगा। पिछड़ा वर्ग आयोग में सभी क्षेत्रों व अति पिछड़ी जातियों का ख्याल रखा गया है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने लंबे समय से रिक्त चल रहे उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त कर दिया है। सीतापुर से भाजपा के पूर्व सांसद राजेश वर्मा को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। मीरजापुर के सोहनलाल श्रीमाली और रामपुर के सूर्य प्रकाश पाल को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा आयोग में 24 सदस्य भी बनाए हैं। सभी का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने से एक वर्ष के लिए होगा। भाजपा ने अति पिछड़ों को भी सदस्य बनाकर उन्हें साधने का काम किया है। सहयोगी दलों के नेताओं को भी इसमें जगह दी गई है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सुभाष चन्द शर्मा ने शुक्रवार को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों को नामित करने का आदेश जारी कर दिया है। पिछड़ा वर्ग आयोग में सभी क्षेत्रों व अति पिछड़ी जातियों का ख्याल रखा गया है।

फर्रुखाबाद मामले में नया मोड़

दो सहेलियों की हत्या

फर्रुखाबाद,संवाददाता

फर्रुखाबाद में पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटके मिले दो सहेलियों के शव के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस का दावा है कि प्रेम संबंध बरकरार रखने के दबाव में दोनों सहेलियों ने आत्महत्या की है। सहेलियों को आत्महत्या के लिए उकसाने में पुलिस ने दोनों प्रेमी युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पांच माह से सहेलियों का दोनों युवकों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों इसका विरोध कर रहे थे। दरअसल, कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी अनुसूचित जाति की युवती (18) व उसकी सहेली किशोरी (17) एक साथ 26 अगस्त की रात जन्माष्टमी को गांव के मंदिर में जागरण का कार्यक्रम देखने के लिए गई थीं। वहां से वह बुआ के घर जाने की बात कहकर निकल आईं। देर रात तक वह घर नहीं पहुंचीं। खोजबीन करने पर व्यापारी नेता के बाग में 27 अगस्त की सुबह दोनों सहेलियों के शव दुपट्टे के फंदे से पेड़ पर लटके मिले थे। एक सहेली के पिता ने हत्या का आरोप लगाया था। पैनल से हुए पोस्टमार्टम में दोनों सहेलियों की मौत फंदा लगने से दम घुटने के कारण होना बताई गई थी। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए दोनों की स्लाइड बनाकर सुरक्षित की गई थी।

एसपी आलोक प्रियदर्शी ने जारी प्रेस नोट में बताया कि गुरुवार रात पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर पर गांव के पवन व कंपिल थाना क्षेत्र के गांव भैसार धर्मपुर निवासी दीपक के खिलाफ दोनों सहेलियों को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया था। दोनों युवक कपड़े सिलाई का काम करते हैं। पांच माह से दोनों के प्रेम संबंध थे, जिसका परिजन विरोध कर रहे थे।

संसद में जाने लायक नहीं कंगना रनौत',

भाजपा सांसद पर क्यों भड़के राबर्ट वाड्रा

प्रियंका गांधी वाड्रा के पति राबर्ट वाड्रा ने आज भाजपा सांसद कंगना रनौत पर जमकर निशाना साधा है। दरअरल राबर्ट वाड्रा ने कंगना के किसानों के विरोध की गई टिप्पणी की आलोचना की है। वाड्रा ने कहा कि कंगना पढ़ी–लिखी नही हैं और वह लोगों के बारे में नहीं सोचती हैं। वह केवल अपने बारे में सोचती हैं।

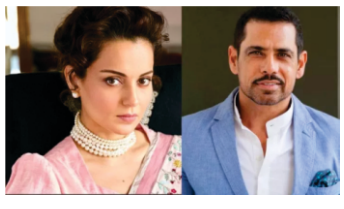

हैदराबाद। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने आज भाजपा सांसद कंगना रनौत पर जमकर निशाना साधा है। दरअरल, रॉबर्ट वाड्रा ने कंगना के किसानों के विरोध में की गई टिप्पणी की आलोचना की है।

संसद में रहने लायक नही कंगना

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कंगना रानौत एक महिला हैं और मैं उनका सम्मान करता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह संसद में रहने के लायक नहीं हैं। वह पढ़ी–लिखी नहीं हैं। मुझे लगता है कि वह लोगों के बारे में नहीं सोचती हैं। वह केवल अपने बारे में सोचती हैं।

महिलाओं के बारे में सोचे कंगना

रॉबर्ट वाड्रा ने आगे कहा कि कंगना को महिलाओं के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी अपील है कि पूरा देश एक साथ आए और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आगे बढ़े। महिलाओं की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को इसे संबोधित करने के लिए एक साथ आना चाहिए।

दीक्षांत समारोह में बेटी ने बढ़ाई 'प्रतिष्ठा'

राज्यपाल ने माता–पिता को मंच पर बुलाया

– गोरखपुर, संवाददाता

दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर कला संकाय परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली प्रतिष्ठा जैसे ही मंच पर पहुंचीं, उनके पांच पदक देख राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने माता–पिता को बुला लिया। बेटी को राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक पहनते देख माता–पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कुलाधिपति ने उन्हें बधाई देने के साथ ऐसे ही आगे पढ़ाने की सलाह दी। एमए विलुअल आर्ट की टॉपर प्रतिष्ठा मिश्रा को दो विश्वविद्यालय समेत पांच स्वर्ण पदक मिले हैं। देवरिया जिले के सलेमपुर क्षेत्र के पिपरा मिश्र गांव की रहने वाली प्रतिष्ठा एक आर्टिस्ट भी हैं। पिता तारकेश्वर मिश्र कृषि क्षेत्र की एक कंपनी में कार्य करते हैं। मां अंजनी मिश्रा गृहिणी हैं। प्रतिष्ठा ने बताया कि उसने पढ़ाई के दौरान प्रैक्टिकल पर ज्यादा ध्यान दिया। इसका उसे काफी लाभ मिला। सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर विद्यार्थी अपनी पेंटिंग को लोगों को दिखा सकते हैं। यह उनके लिए एक अच्छा आय का स्त्रोत हो सकता है।

सम्पादकीय

देश में नैतिक पतन जारी है इसे कैसे रोका जाए

पश्चिम बंगाल और केरल सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सर्वोपरि राज्य हैं। दोनों राज्यों को देश के महान संस्कृतिकर्मियों ने योगदान दिया है

केरल देश की संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में देश का ही नहीं वरन् दुनिया में भी सर्वोपरि है। अभी हाल में जाहिर किए गए आंकड़े से पता लगा है कि एक लाख में से 19 माताएं या तो बच्चे के जन्म देने के तुरंत बाद या गर्भावस्था के दौरान मर जाती हैं। यह आंकड़ा अमेरिका से भी आगे है। उसके विपरीत उत्तरप्रदेश में 1 लाख में से 167, मध्यप्रदेश में 173 असम में 195 महिलाएं मृत्यु को प्राप्त होती हैं। पश्चिम बंगाल और केरल सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सर्वोपरि राज्य हैं। दोनों राज्यों को देश के महान संस्कृतिकर्मियों ने योगदान दिया है। बंगाल में रवीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा, सुभाषचन्द्र बोस, ज्योति बसु, आदि शामिल हैं। अनेक कवि, सत्यजीत रे समेत अनेक फिल्मकर्मियों ने जन्म लिया है, ऐसे महान राज्य में एक महिला डाक्टर के साथ जो कुछ हुआ वह बंगाल के चेहरे पर कालिख है। इस महिला डाक्टर के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया वरन उसकी हत्या भी की गई। घटना के बाद जो तथ्य सामने आ रहे हैं उनसे लगता है कि वह अनेक गुप्त बातों की जानकार थी जो मेडिकल प्रोफेशन में नहीं होना थी। वह इन बातों को उजागर करे उसके पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

केरल देश की संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में देश का ही नहीं वरन् दुनिया में भी सर्वोपरि है। अभी हाल में जाहिर किए गए आंकड़े से पता लगा है कि एक लाख में से 19 माताएं या तो बच्चे के जन्म देने के तुरंत बाद या गर्भावस्था के दौरान मर जाती हैं। यह आंकड़ा अमेरिका से भी आगे है। उसके विपरीत उत्तरप्रदेश में 1 लाख में से 167, मध्यप्रदेश में 173 असम में 195 महिलाएं मृत्यु को प्राप्त होती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 100 प्रतिशत आबादी शिक्षित हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इसी तरह पूरे देश में वह सर्वोच्च शिखर पर है। ऐसे प्रदेश में वहां के फिल्म जगत में काम करने वाली महिलाओं ने अपने साथ दुष्कर्म की शिकायत की। उनकी शिकायत के चलते वहां की सरकार ने एक अवकाश प्राप्त हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। इस आयोग ने वहां की सुप्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत को सुना और यह आयोग इस नतीजे पर पहुंचा कि वहां की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत सही है। इस आयोग की रिपोर्ट 2019 में मुख्यमंत्री को भेजी गई। परंतु किन्हीं कारणों से मुख्यमंत्री ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इस बीच उन पर दबाव बढ़ता रहा और इस माह में रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। रिपोर्ट सार्वजनिक करने में इतनी देर क्यों हुई? इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकार के स्पष्टीकरण दिये हैं जिनमें एक स्पष्टकीरण के अनुसार उनका कहना था कि देरी के लिए आयोग के अध्यक्ष ने स्वयं रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने का सुझाव दिया था।

कारण जो भी हो परंतु मलियालम में बनी फिल्में अद्भुत समझी जाती हैं। इन फिल्मों को बनाने में जिन अभिनेत्रियों का योगदान रहता है उनके साथ इस तरह का व्यवहार केरल को शर्मसार करने वाली घटना है। हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारतवर्ष शीघ्र ही विश्वगुरू बनेगा। परंतु जो विश्वगुरू बनने वाला है उसके 150 सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इन मामलों में कुछ दुष्कर्म के भी मामले हैं। जिस देश के 150 जनप्रतिनिधि अपराधों में शामिल हों वह कैसे विश्वगुरू बन पायेगा?

हमारे देश में इस समय महिलाओं के साथ दुष्कर्म और अनेक अपराधों की खबरें आ रही हैं। महाराष्ट्र में अभी हाल में जो घटना हुई उसकी तो कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। एक स्कूल की 4 साल की दो बच्चियों के साथ उसी स्कूल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। उसी महाराष्ट्र में कुछ दिनों बाद एक 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की खबर सामने आई। असम में भी ट्यूशन से घर वापिस आ रही एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। इसके विरोध में असम में पूरे राज्य में प्रदर्शन हुए। परंतु इस घटना को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया जाहिर की वह चौंकाने वाली है। इस बच्ची के साथ अपराध करने वाला व्यक्ति अल्पसंख्यक पाया गया। इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में यहां के मूल निवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। शायद उनका इशारा किसकी ओर है यह वही बता सकते हैं।

समाज में आए दिन सभी रिश्तों को तोड़ते हुए घटनाएं हो रही हैं। एक समाचार के अनुसार एक पत्नी ने अपने बेटे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या में तकिये का उपयोग किया गया। हत्या इसलिए की गई क्योंकि अपने पति की इस दूसरी पत्नी की निगाह अपने पति के रिटायर होने पर मिली भारी रकम पर नज़र थी। उसको डर था कि उसका पति उनकी पहली पत्नी की संतानों को रकम का भारी हिस्सा दे देंगे। ऐसी स्थिति पैदा हो इसके पहले ही उसने अपने पति की हत्या कर दी। जिस पत्नी ने हत्या की वह स्वयं अपने पहले पति को तलाक देकर दूसरी शादी की थी। एक और मामले में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या करके स्वयं थाने को सूचित कर दिया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की है। कारण उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। पति–पत्नी का रिश्ता अत्यधिक विश्वास का रिश्ता होता है। परंतु उसमें भी कभी भी खटाई पड़ जाती है और हत्या के समान जघन्य अपराध हो जाते हैं। एक अखबार में खबर छपी है कि कुछ लोग महिलाओं के या बच्चियों के साथ दुष्कर्म का वीडियो बनाते हैं और फिर उस वीडियो को भारी कीमत पर बेचते हैं। इस अखबार के अनुसार यह एक बड़ा धंधा हो गया है। इसलिए इस तरह की खबरे पढ़ने को मिलती हैं कि महिला या बच्ची अपने को दुष्कर्म से मुक्त करने के लिए अपील करती हैं परंतु उसे बचाने के स्थान पर लोग उसका वीडियो बनाने में लगे रहते हैं। इस तरह की घटनाएं ही इस बात का सबूत है कि इंसान की संवेदनशीलता को क्या हो गया है? हम लाखों की संख्या में प्रवचन सुनने जाते हैं परंतु उस प्रवचन से हमारी आत्मा पर क्या असर हुआ यह ज्ञात नहीं होता है।

अभी हाल में महाराष्ट्र में एक हिन्दू संत ने इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक बातें की। उसकी प्रतिक्रिया में मध्यप्रदेश के छतरपुर नाम के स्थान पर मुसलमानों ने रोष प्रकट किया। थाने का घेराव किया और पुलिसकर्मियों को घायल किया। इस घटना के विरोध में पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। कार्रवाई के फलस्वरूप एक धनी मुस्लिम के मकान को नेस्तनाबूद कर दिया गया। न सिर्फ मकान को नेस्तनाबूद किया बल्कि जो वाहन वहां थे उनको भी तोड़ डाला। क्या वाहन भी प्रदर्शन में शामिल थे? फिर मकान को नेस्तनाबूद करने के पहले इस बात की भी जानकारी नहीं ली गई उसकी कानूनी स्थिति क्या है। यह भी बताया गया कि इस विशाल मकान के भीतर जो मूल्यवान वस्तुएं थीं जैसे गहने, टीवी, फ्रिज उनका क्या हुआ? यदि मकान गैरकानूनी था तो जब वह बन रहा था तब उसका निर्माण क्यों नहीं रोका गया? इस तरह की घटनाएं मध्यप्रदेश के और स्थानों पर भी हुई हैं और उत्तरप्रदेश में तो बड़े पैमाने पर हो रही हैं।

ऐसी घटनाओं के बारे में क्या रवैया अपनाया जाए? यह कहना मुश्किल है क्योंकि उसके पीछे बड़े–बड़े प्रभावशाली व्यक्तियों का हाथ है ऐसा आरोप लगाया जाता है। कुल मिलाकर समाज में चाहे महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो या अन्य अपराध हों लगभग कानून अपने हाथ में लिया जा रहा है। इनको रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? यह एक विचारणीय प्रश्न है? इस समय बुलडोजर ऐसे मकान पर भी चला दिया जाता है जिसमें रहने वाले परिवार के केवल एक सदस्य ने अपराध किया हो। एक व्यक्ति द्वारा किए गए अपराध की सज़ा पूरे परिवार को क्यों दी जाती है? फिर हमारे देश के कानून के अनुसार अपराधी को सज़ा देने का अधिकार न्यायपालिका का है न कि पुलिस का। परन्तु आये दिन बुलडोजर चलाकर सज़ा पुलिस वाले दे रहे हैं जो सरासर गैरकानूनी है।

कोलकाता के आर जी कर सरकारी अस्पताल में हुए जघन्य अपराध को लेकर सियासत दिन ब दिन तेज होती जा रही है

प.बंगाल में छात्रों की आड़ में राजनीति

मोदी के तीसरे कार्यकाल में गठबंधन राजनीति की लगामबाबरी ध्वंस से राममंदिर : भारतीय राजनीति की बदलती दशा और दिशा कोलकाता के आर जी कर सरकारी अस्पताल में हुए जघन्य अपराध को लेकर सियासत दिन ब दिन तेज होती जा रही है। मंगलवार को नबन्ना अभियान की शक्ल में सियासत का एक और रूप देखने मिला। नबन्ना भवन में प.बंगाल सरकार का सचिवालय है, जिसकी सबसे ऊपरी मंजिल पर मुख्यमंत्री का दफ्तर भी है। प. बंगाल छात्र समाज ने इसी भवन तक बलात्कार कांड के विरोध में रैली निकालने का आह्वान किया था, जिसे नबन्ना मार्च या नबन्ना अभियान नाम दिया गया। प्रत्यक्ष तौर पर इस अभियान में कोई राजनैतिक चेहरा नहीं था, लेकिन इसमें जिस तरह भाजपा ने समर्थन दिया और स्वयं राज्यपाल की तरफ से वीडियो संदेश जारी हुआ। उससे समझा जा सकता है कि यह सारा अभियान बलात्कार जैसे खौफनाक अपराध में पीड़िता और उसके परिजन को मिलने वाले इंसाफ से कहीं अधिक राजनैतिक लाभ हासिल करने की नीयत से छेड़ा गया था।

नबन्ना मार्च रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय के छात्र प्रबीर दास, कल्याणी विश्वविद्यालय के शुभंकर हलदर और सयान लाहिड़ी नामक छात्रों द्वारा बुलाया गया था, इन छात्रों का कहना है कि उनका राजनीति से लेना–देना नहीं है। हालांकि शुभंकर हलदर ने खुद ही कहा है कि वे आरएसएस से जुड़े हैं और उन्हें इस पर गर्व है। इस मार्च को पहले विपक्ष का समर्थन भी मिला था, लेकिन बाद में संघ के तार इससे जुड़ते देख कांग्रेस और वाममोर्चा दोनों ही इससे पीछे हट गए। छात्रों ने इस अभियान के लिए तीन मांगों को सामने रखा था, अभया के लिए न्याय, अपराधी के लिए मौत की सजा और ममता बनर्जी का इस्तीफा। यह अजीब बात है कि जब मामले की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट ने ही करनी शुरु कर दी है, तब इस तरह की मांग को लेकर रैली निकालने का औचित्य क्या है। जहां तक सवाल ममता बनर्जी के इस्तीफे का है, तो फिर इसकी शुरुआत मणिपुर से होते हुए उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखंड जैसे तमाम राज्यों में भी होनी चाहिए, क्योंकि यहां की बेटियों के साथ भी इसी तरह के अक्षम्य अपराध हुए हैं।

महाराष्ट्र के बदलापुर में नाबालिग बच्चियों के साथ हुए दुष्कर्म के विरोध में 24 तारीख को महाविकास अघाड़ी ने भी प्रदर्शन का आह्वान किया था, हालांकि अदालत में इसे रोकने के लिए एक जनहित याचिका दाखिल हुई और उसके बाद अदालत ने इस पर रोक लगाई तो फिर महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने काली पट्टी मुंह पर बांध कर मौन प्रदर्शन कर सरकार के सामने अपना विरोध दर्ज कराया। ऐसा ही काम कोलकाता में भी हो सकता था, क्योंकि पुलिस के मुताबिक उसके पास खुफिया जानकारी थी कि कुछ उपद्रवी रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों के बीच घुसने और बड़े पैमाने पर हिंसा व अराजकता फैलाने का प्रयास करेंगे। सरकार ने पहले ही बीएनएसएस की धारा 163 के तहत नबन्ना के निकट निषेधाज्ञा लागू कर दी थी, जिसके तहत पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक लगती है। सोमवार को पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन कर आंदोलन को गैरकानूनी करार देते हुए इसे अशांति फैलाने की साजिश करार दिया था। लेकिन सोमवार देर शाम राजभवन की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह छात्रों को रैली रोकने के लिए बल प्रयोग न करे।

राज्यपाल पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह के संदेश जारी करना कहां तक उचित है, यह भी विचारणीय है। इस अभियान को लेकर पुलिस की आपत्तियों पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि पुलिस को इसे वैध या अवैध कहने का क्या अधिकार है? लोकतांत्रिक देश में कोई भी विरोध कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि अगर कोई शांतिपूर्ण विरोध या मार्च निकाला जाता है तो पुलिस उसमें बाधा नहीं डाल सकती। काश दिलीप घोष यही बात तब कहते जब संसद की ओर अपनी मांगों को लेकर निकली महिला पहलवानों को पुलिस ने बलप्रयोग करते हुए ही रोका था और जेल में डाला था। इससे पहले किसानों के साथ भी यही सलूक किया गया। बहरहाल, पुलिस की अनुमति न मिलने के बावजूद जब नबन्ना मार्च निकाला गया, तब हालात संभालने के लिए करीब 5 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। फिर भी विरोध भड़कते देख प्रदर्शनकारियों को काबू में लेने के लिए पुलिस को पानी की बौछार जैसे तरीके इस्तेमाल करने पड़े। इसके बाद सियासत और तेज हो चुकी है, अब भाजपा ने बंगाल बंद का आह्वान किया है। जाहिर है यह सब ममता बनर्जी सरकार की मुश्किलें बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। आर जी कर अस्पताल की घटना के बाद से पूरे देश में आक्रोश देखा जा रहा है। एक स्वस्थ और जागरुक समाज को इस तरह के अपराध और नाइंसाफी पर नाराज होना भी चाहिए। लेकिन इसके साथ ही इस बात के लिए सचेत भी रहना चाहिए कि कोई उसकी नाराजगी का राजनैतिक फायदा तो नहीं उठा रहा। क्योंकि देश में कई जगह कोलकाता की घटना पर विरोध की रैलियां निकाली गईं, फिर भी लड़कियों के लिए माहौल पहले से ज्यादा असुरक्षित बना हुआ है, तो सोचना होगा कि आखिर गलती कहां हो रही है।

मुद्रास्फीति पर रिजर्व बैंक की बढ़ती जा रही दुविधा

जब अमेरिकी फेड बोलता है, तो दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकरों को सुनना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बाजार गतिशीलता के एक नये चरण में प्रवेश करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपना एंटीना उठायेगा और भारतीय बाजारों में होने वाले बदलावों पर नज़र रखेगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने जैक्सन होल, व्योमिंग से स्पष्ट संदेश दिया है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक दर उलट चक्र में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। फेडरल रिजर्व आखिरकार कम नीतिगत दरों की व्यवस्था की शुरुआत करेगा।

वित्तीय बाजारों ने इसे तुरंत उठाया और हाल के दिनों में गिरावट के बाद अमेरिकी शेयर बाजारों में एक बार फिर उछाल आया है। एक बार फेडरल रिजर्व अपनी नीति उलटने की पहल करता है, तो उम्मीद की जा सकती है कि वित्तीय बाजार आगे समायोजन करना शुरू कर देंगे। जब अमेरिकी फेड बोलता है, तो दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकरों को सुनना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बाजार गतिशीलता के एक नये चरण में प्रवेश करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपना एंटीना उठायेगा और भारतीय बाजारों में होने वाले बदलावों पर नज़र रखेगा। यह उम्मीद भी की जा सकती है कि वैश्विक बाजारों के साथ तालमेल बिठाते हुए भारतीय शेयर भी बढ़ेंगे, जैसा कि व्यापक स्पेक्ट्रम ब्याज दरों में कमी आने पर होता है। आने वाले दिनों में शेयर बाजारों में और उछाल आना चाहिए। इसके साथ ही, बॉन्ड बाजार भी नये स्तरों की तलाश करेंगे। इस उछाल का लाभ उठाने के लिए विदेशी बाजारों से धन प्रवाह की भी उम्मीद की जा सकती है। इस पृष्ठभूमि में, रिजर्व बैंक को अपने व्यापक नीति उपायों को कैसे फिर से निर्धारित करना चाहिए? जाहिर है, मार्गदर्शक कारक भारत में समग्र मूल्य स्थिरता के साथ–साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता और प्रदर्शन होना चाहिए। 6 और 8 अगस्त के बीच रिजर्व बैंक ने अपनी पिछली मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठकों में नीति मापदंडों को अपरिवर्तित रखने का फैसला किया गया है। समिति की कार्रवाई की नवीनतम रपट के अनुसार, नीति दर को अपरिवर्तित छोड़ दिया गया था, हालांकि समिति के दो सदस्यों ने इस निर्णय के खिलाफ जोरदार तर्क दिया। आरबीआई के लिए जिन कारकों पर विचार करना वांछनीय हैं, वे हैं मुद्रास्फीति के रुझान और मूल्य प्रवृत्तियों में वृद्धि की संभावना। पिछले कुछ महीनों में कीमतों में नरम रुझान दिखाई दिये हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम मासिक आर्थिक रिपोर्ट में इस सप्ताह काफी आरामदायक तस्वीर दिखाई गई। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों अप्रैल से जुलाई 2024 में खुदरा मुद्रास्फीति धीमी होकर 4.6प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 5.3 प्रतिशत थी। विशेष रूप से महीने–दर–महीने जुलाई में कीमतों में तेज गिरावट देखी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक–संयुक्तपर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जून 2024 में 5.1 प्रतिशत से घटकर जुलाई 2024 में 3.5 प्रतिशत हो गई, जो सितंबर 2019 के बाद सबसे कम है। वित्त मंत्रालय ने इसका श्रेय खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट को दिया। खाद्य मुद्रास्फीति जून 2024 में 9.4प्रतिशत से घटकर जुलाई 2024 में 5.4प्रतिशत हो गई। खाद्य मुद्रास्फीति में देखी गई पर्याप्त गिरावट को मुख्य रूप से जून 2024 में 29.3प्रतिशत से जुलाई 2024 में 6.8प्रतिशत तक सब्जी मुद्रास्फीति में गिरावट से मदद मिली। हालांकि, यह देश भर के बाजारों में कीमतों के स्तर, खासकर सब्जियों की कीमतों के बारे में वास्तविक अनुभवों के विपरीत है। अब सवाल यह है कि क्या कीमतों में यह नरमी क्षणिक है या फिर लंबे समय तक चलने वाले रुझान का संकेत है? अगर यह अचानक मासिक गिरावट अल्पावधि में उलट जाती है, तो आरबीआई को अपने मुद्रास्फीति विरोधी रुख से पीछे नहीं हटना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है और कीमतें निचले स्तरों की ओर बढ़ती हैं, तो आरबीआई के पास अपनी नीतिगत दरों को फिर से निर्धारित करने की गुंजाइश है। अभी तक, यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि आने वाले महीनों में कीमतों का रुझान कैसा रहेगा।

इस तरह के किसी भी आकलन में दो बातें महत्वपूर्ण हैं। पहला, ऐतिहासिक रुझान। आम तौर पर देखा गया है कि खाद्य कीमतें, खास तौर पर दो प्रमुख अनाज और फलों और सब्जियों की कीमतें गर्मियों के महीनों से लेकर मानसून अवधि तक बढ़ती हैं। फिर अक्टूबर से खरीफ की कटाई के बाद के मौसम में इनमें गिरावट आती है। अनुभव के आधार पर, शायद हम कीमतों में उछाल से उबर चुके हैं और अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव को छोड़कर आने वाले महीनों में रुझान और भी सहज होते जायेंगे। दूसरा अनुकूल कारक यह है कि मानसून अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है और पूर्वानुमान है कि इस वर्ष यह सामान्य स्तर पर रहेगा। इसलिए, इस मौसम में खराब मानसून और खाद्य उत्पादन पर संभावित प्रभाव की आशंकाओं को दरकिनार किया जा सकता है। मूल्य स्थिति, विशेष रूप से, खाद्य मुद्रास्फीति अभी स्थिर रह सकती है।

बदल रहा है गोरखपुर

अब सोलर सिटी के रूप में भी होगी गोरक्षनगरी की पहचान–75 हजार भवनों पर स्थापित होंगे संयंत्र

गोरखपुर,संवाददाता। बीते कुछ सालों में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति से गोरखपुर की पहचान नॉलेज और मेडिकल सिटी के रूप में होने लगी है। अब आने वाले दिनों में इस पहचान में सोलर सिटी भी जुड़ जाएगी। प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के जिन शहरों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है, उनमें गोरखपुर का भी नाम प्रमुखता से शामिल है।

गोरखपुर को सोलर सिटी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर खासा जोर दे रही है। इस योजना के लिए नारा दिया गया है "हर घर सोलर अभियान"। यूपीनेडा (उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण) के परियोजना अधिकारी गोविंद तिवारी के मुताबिक हर घर सोलर अभियान में सोलर सिटी गोरखपुर में 75000 आवासीय भवनों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।इस योजना में सभी श्रेणी के घरेलू विद्युत उपभोक्ता 1 किलोवाट से 10 किलोवाट तक के घरेलू विद्युत कनेक्शनधारी अपने निजी घर की छत पर सोलर रूफटॉप स्थापित कराकर, अनुदान प्राप्त करते हुए 25 वर्षों तक विद्युत खर्च की बचत कर सकते हैं।

हर घर सोलर अभियान में सोलर सिटी गोरखपुर में 75000 आवासीय भवनों पर सोलर रूफटाप संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

हर घर सोलर अभियान में 1 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाने पर केंद्र सरकार की तरफ से 30000 रुपये और राज्य सरकार की तरफ से 15000 रुपये यानी कुल 45000 रुपये का अनुदान मिल रहा है। 2 किलोवाट के सोलर प्लांट पर केंद्र की तरफ से 60000 व राज्य की तरफ से 30000 यानी कुल 90000 रुपये का अनुदान प्राप्त होगा।

जबकि 3 किलोवाट या इससे अधिक क्षमता के सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार से 78000 और राज्य सरकार से 30000 रुपये अर्थात कुल 108000 रुपये का अनुदान मिलेगा। अनुदान की राशि लाभार्थी के खाते में डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होगी। यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी गोविंद तिवारी ने बताया कि 2 किलोवाट के विद्युत उपभोक्ता सोलर रूफटॉप प्लांट के जरिये औसतन 10 यूनिट विद्युत प्रतिदिन बचत करते हुए लगभग दो हजार रुपये की बचत प्रति माह कर सकते हैं। 2 किलोवाट क्षमता के सोलर रूफटॉप प्लांट के लिए 200 वर्गफीट छत की आवश्यकता होगी।

बाजार दरों पर लगभग 120000 रुपये रजिस्टर्ड वेंडर को भुगतान कर सोलर रूफटॉप स्थापित कराया जा सकता है। इसमें से 90000 रुपये की राशि एक माह में वापस अनुदान के रूप में मिल जाएगी। इस तरह 2 किलोवाट के सोलर रूफटॉप प्लांट ओर लाभार्थी का वास्तविक खर्च महज 30000 रुपये होगा। और, यह राशि भी एक तरह से 15 माह में विद्युत खर्च की बचत के रूप में वापस प्राप्त हो जाएगी। सोलर रूफटॉप प्लांट से 25 सालों में कुल 528000 रुपये का लाभ अर्जित होगा। इस योजना में 5 वर्षों तक मुफ्त मरम्मत व सर्विस की सुविधा तो मिलेगी ही, सोलर मॉड्यूल की भी 25 वर्ष की गारंटी होगी।

सोलर सिटी की लक्ष्यपूर्त के लिए विभागवार भी दी गई जिम्मेदारी

सोलर सिटी गोरखपुर में 75000 सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापना की लक्ष्य पूर्ति के लिए विभागवार जिम्मेदारी भी तय की गई है। इसमें विभिन्न अधिकारियों समेत कुल 47 विभागों को टारगेट दिया गया है। सभी विभागाध्यक्ष अपने सेवारत और सेवानिवृत्त कार्मिकों के निजी घरों पर कम से कम 2 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराएंगे।

पशु तस्करों का तांडव

घर के सामने गाड़ी पर लाद रहे थे पशु, विरोध करने पर मारी गोली– पहले ईंट पत्थर से पीटा

गोरखपुर। घायल धर्मात्मा दुबे के पिता प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया देर रात पशु तस्कर हमारे दरवाजे पर गाय लादने के इरादे से रुके, तभी मेरा बड़ा बेटा धरात्मज दुबे मौके पर टार्च जलाकर बाहर निकल आया। बदमाशों ने पहले ईंट पत्थर से हमला किया फिर गोली मार दी। खजनी थाना क्षेत्र सतुआभार चौराहे पर पशु तस्करों ने गाड़ी में पशु लादने का विरोध करने पर युवक की पहले ईंट–पत्थर से हमला किया। इसके बाद मनबढ़ों ने युवक को गोली मार दिया और मौके से फरार हो गए। ये आरोप घायल के पिता प्रेम प्रकाश दूबे ने लगाए हैं। घायल को मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। हालत गंभीर बनी हुई है।

हमले के बाद खजनी थाने की पुलिस जांच में लगी हुई है। सूत्रों ने बताया कि गोली चलने की पुष्टि तो हुई है, लेकिन युवक को लगने की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। मामला खजनी थाना क्षेत्र के सतुआभार चौराहे का है ,जहां देर रात लगभग एक से दो बजे के बीच पशु तस्कर पिकअप गाड़ी से प्रेम प्रकाश दुबे के घर गाय लादने के लिए रुके।

आहट पाकर धर्मात्मा दुबे पुत्र प्रेम प्रकाश दुबे टार्च जल कर घर से बाहर से आए और पशु तस्करों का विरोध करने लगे। उसी दौरान तस्कर ईंट–पत्थर चलाते हुए धर्मात्मा को घायल कर दिए। इसके बाद भी खुद को असुरक्षित समज तस्करों ने धर्मात्मा दुबे को लक्ष्य कर गोली चल दी, जो इनके पैर में लग गई। हल्ला–हंगामा होता देख पशु तस्कर मौके से फरार हो गए। इधर, घायल धरात्मज दुबे को आनन–फानन में जिला अस्पताल ले गए, वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज चल रहा है। घायल धर्मात्मा दुबे के पिता प्रेम प्रकाश दुबे ने बताया देर रात पशु तस्कर हमारे दरवाजे पर गाय लादने के इरादे से रुके, तभी मेरा बड़ा बेटा धरात्मज दुबे मौके पर टार्च जलाकर बाहर निकल आया। बदमाशों ने पहले ईंट पत्थर से हमला किया फिर गोली मार दी। घटना के बाद मैने 112 नंबर पर फोन कर घटना की जानकारी दी। इधर घटना के बाद गांव और चैराहे पर लोगो में दहशत में है। तस्करों के दुस्साहस से लोग भयभीत हो गए है।

दशहरा–दिवाली के लिए गोरखपुर के रास्ते 3 स्पेशल ट्रेनों को मिली मंजूरी

गोरखपुर। रेल प्रशासन ने मऊ–आनंद विहार टर्मिनस–मऊ त्योहार विशेष साप्ताहिक गाड़ी का संचलन मऊ से 19 सितंबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार और आनंद विहार टर्मिनस से 20 सितंबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को 11 फेरों के लिए होगा। यह ट्रेन मऊ से बेलथरा रोड, भटनी, देवरिया सदर होते हुए गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी। यहां से खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद होते हुए आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी।

आगामी दशहरा, दिवाली और छठ आदि त्योहारों को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन से अतिरिक्त ट्रेनों की घोषणा शुरू कर दी गई है। मंगलवार को दो ट्रेनों को मंजूरी मिली, जिसमें से एक गोरखपुर–अमृतसर स्पेशल और दूसरी मऊ–गोरखपुर–आनंद विहार स्पेशल है। इसके अलावा छपरा से जम्मू के उधम सिंह नगर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन को भी त्योहारों के लिए एक्सटेंशन दिया गया है।

भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने मऊ–आनंद विहार टर्मिनस–मऊ त्योहार विशेष साप्ताहिक गाड़ी का संचलन मऊ से 19 सितंबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार और आनंद विहार टर्मिनस से 20 सितंबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को 11 फेरों के लिए होगा। यह ट्रेन मऊ से बेलथरा रोड, भटनी, देवरिया सदर होते हुए गोरखपुर स्टेशन पहुंचेगी।

यहां से सुबह सात बजे रवाना होगी। खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद होते हुए रात में 8:30 बजे आनंद विहार टर्मिनस पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनस से रात में 12:25 बजे चलकर दूसरे दिन दोपहर तीन बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेज यान का 01, एलएसएलआरडी का 01, शयनयान श्रेणी के 07, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 06 कोचों सहित कुल 21 कोच लगाए जाएंगे।

इसके अलावा गोरखपुर–अमृतसर–गोरखपुर त्योहार विशेष साप्ताहिक गाड़ी का संचालन गोरखपुर से 18 सितंबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार और अमृतसर से 19 सितंबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को 11 फेरों के लिए होगा। यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार को गोरखपुर स्टेशन से दोपहर 02:40 बजे प्रस्थान करेगी।

खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर जं., बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, यमुनानगर जगाधरी, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर सिटी से व्यास होते हुए सुबह 9:30 बजे अमृतसर पहुंचेगी।

वापसी में अमृतसर से दोपहर 12:45 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 08:50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में एसएलआरडी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 08 और वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के चार कोचों सहित कुल 18 कोच लगाए जाएंगे।

छपरा–शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्पेशल का बढ़ा फेरा

छपरा–शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर)–छपरा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार छपरा से 28 सितंबर तक कर दिया गया है। छपरा–शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) स्पेशल ट्रेन छपरा से शनिवार को दोपहर दो बजे प्रस्थान करती है और छपरा कचहरी से थावे, तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज होते हुए गोरखपुर आती है।

गोरखपुर स्टेशन से रात में 08:55 बजे प्रस्थान करती है। यह ट्रेन भी खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर जं., रूड़की, सहारनपुर, यमुनानगर जगाधरी, अंबाला कैंट होते हुए शहीद कैप्टन तुषार महाजन (उधमपुर) 22:10 बजे पहुंचेगी।

गोरखपुर एम्स में 20 लाख से ज्यादा मरीजों ने कराया आनलाइन रजिस्ट्रेशन

गोरखपुर। कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पाल ने कहा कि यह आंकड़े संस्थान के प्रति इस क्षेत्र के लोगों के भरोसे का प्रतीक है। लोग अब एम्स में इलाज को प्राथमिकता दे रहे हैं। चार साल पहले खुले गोरखपुर एम्स की ओपीडी में अब तक 20 लाख से अधिक मरीज अपने इलाज के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। मंगलवार को एम्स प्रशासन की तरफ से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि वर्ष 2020 से अभी तक एम्स में 20 लाख से ज्यादा मरीजों ने पंजीकरण कराया है।

कार्यकारी निदेशक डॉ. जीके पाल ने कहा कि यह आंकड़े संस्थान के प्रति इस क्षेत्र के लोगों के भरोसे का प्रतीक है। लोग अब एम्स में इलाज को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि इस संस्थान में आए मरीजों को बेहतर व सस्ता इलाज दिया जाए, जिससे कि एम्स की स्थापना के उद्देश्य को पूरा किया जा सके। कार्यकारी निदेशक ने कहा कि ओपीडी के आंकड़े में अभी टेलीकंसल्टेशन को नहीं जोड़ा गया है। हम आगे भी सेवाओं को बढ़ाने, रोगी देखभाल में सुधार करने और सकारात्मक प्रभाव डालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

योग गुरु रामदेव ने कहा, 'गुरु गोरखनाथ का आशीर्वाद लेने आया था'

दौरे को कहा– विशुद्ध धार्मिक

गोरखपुर। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा–गुरु गोरखनाथ बाबा का दर्शन कर धन्य हो गया हूं। यह विशुद्ध धार्मिक यात्रा है, इसमें कारोबार और राजनीति पर बात नहीं होगी। दोबारा जल्द गोरखपुर आऊंगा, तब सभी मुद्दों पर खुलकर बात होगी। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा–गुरु गोरखनाथ बाबा का दर्शन कर धन्य हो गया हूं। यह विशुद्ध धार्मिक यात्रा है, इसमें कारोबार और राजनीति पर बात नहीं होगी। दोबारा जल्द गोरखपुर आऊंगा, तब सभी मुद्दों पर खुलकर बात होगी। योग गुरु रामदेव मंगलवार की सुबह उद्यमी चंद्र प्रकाश अग्रवाल के बरगदवां स्थित आवास पर सुबह योग क्रिया के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने गोरखपुर आने के प्रयोजन से जुड़े सवाल पर स्पष्ट किया कि वह गुरु गोरखनाथ का आशीर्वाद लेने आए हैं। स्वामी रामदेव ने मंगलवार की सुबह उद्यमी चंद्र प्रकाश अग्रवाल के आवास पर ही साधकों के साथ योगाभ्यास किया। इसके बाद पतंजलि पीठ के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं के अनुरोध पर उनके साथ फोटो खिंचवाया। कार्यकर्ताओं से कहा कि जल्द ही कार्यक्रम लेकर गोरखपुर आएंगे। इस दौरान दीपक शर्मा, हरिनारायण दुबे, अखिलेश तिवारी, सुनीषा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। बरगदवां से निकलकर स्वामी रामदेव सड़क मार्ग से सहजनवां में पतंजलि योग पीठ की एक पदाधिकारी के आवास पर गए। वहां से वह दिन में 12:20 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।

मदरसे में चल रही थी नकली नोट छापने की फैक्टरी

मौलवी समेत चार गिरफ्तार, डेढ़ लाख नकली नोट बरामद

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने मदरसे की आड़ में चल रही नकली नोट बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मौके से मौलवी समेत उसके गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने डेढ़ लाख रुपये का नकली नोट भी बरामद किए हैं। मौलवी ओडिशा का रहने वाला बताया जा रहा है।शहर के अतरसुइया इलाके के एक मदरसे में नकली नोट छापने की फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ हुआ है। यह खेल मौलवी की देखरेख में चल रहा था। पुलिस ने मौलवी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर डेढ़ लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं।

बुधवार को आरोपियों को पुलिस ने मीडिया के सामने पेश किया। बताया जा रहा है कि यह धंधा काफी दिनों से चल रहा था। यहां से नकली नोट छापकर कई स्थानों पर सप्लाई किए जा रहे थे।

अतरसुइया इलाके में स्थित मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिद ए आजम में नकली नोट छापने की फैक्टरी चल रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा तो खलबली मच गई। पुलिस ने मौके से डेढ़ लाख रुपये नकली नोट बरामद करते हुए मौलवी मोहम्मद तफ्सीरुल समेत उसके गिरोह के सदस्य मोहम्मद अफजल, मोहम्मद शाहिद और आफरीन को गिरफ्तार कर लिया। मौलवी तफ्सीरुल मूल रूप से उड़ीसा का रहने वाला है। गिरोह का सरगना जहीर खान भी उड़ीसा में मौलवी के ही गांव का रहने वाला है।

स्पा सेंटर में चल रहा था देह व्यापार

पुलिस की छापेमारी से मची अफरा–तफरी आपत्तिजनक हालत में मिले लड़के–लड़कियां

संवाद सहयोगी, बलरामपुर (आजमगढ़)। सिधारी थाने की पुलिस ने मूसेपुर स्थित एक किराए के मकान में स्पा मसाज सेंटर के नाम पर चल रहे देह व्यापार का राजफाश किया। बुधवार की शाम छापा मारकर तीन जोड़े लड़के और लड़कियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सिधारी थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस कर्मियों के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि मूसेपुर पुलिस चौकी से महज दो सौ मीटर दूर स्थित एक किराए के मकान में स्पा मसाज सेंटर में काफी दिनों से चल रहे देह व्यापार का धंधा चल रहा है।

स्पा सेंटर में मची अफरा–तफरी

मुखबिर की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस स्पा मसाज सेंटर पर छापा मारा तो सेंटर में अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने अलग–अलग कमरों की तलाशी ली तो तीन लड़कियां और दो लड़के कमरें में एक दूसरे के साथ आपत्तिजनक हालत में मिले। संचालक छापेमारी के दौरान सेंटर से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि स्पा सेंटर से पकड़े गए लड़कियों को उनके द्वारा बताए गए नंबर पर उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। संचालक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जगह–जगह दबिश दे रही है।

अध्यापक ने पुलिस अधीक्षक से जान माल के सुरक्षा की लगाई गुहार

संवाद सहयोगी, सगड़ी (आजमगढ़)। सगड़ी तहसील के प्राथमिक विद्यालय इस्माइलपुर में तैनात अध्यापक मुबारकपुर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव के रहने वाले प्रमोद कुमार यादव ने अपने पड़ोसी से जान का खतरा बताते हुए पुलिस अधीक्षक से जान बचाने की गुहार लगाई है। साथ ही रौनापार पुलिस पर रिपोर्ट न दर्ज करने की शिकायत भी की है। आरोप है कि पड़ोसी कई बार अध्यापक के पिता पर हमला कर चुका है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को नहीं मिली गर्भपात की अनुमति

कोर्ट ने कहा– प्रसव का खर्च उठाए सरकार

प्रयागराज। 13 वर्षीय नाबालिग संग उसके एक नजदीकी रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद किशोरी का मेडिकल कराया गया तो उसके गर्भवती होने का पता चला। किशोरी की ओर से गर्भपात कराने की अनुमति की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि 13 वर्ष की किशोरी गर्भपात कराने या गर्भधारण को जारी रखने के बीच निर्णय ले पाने में सक्षम नहीं है। यह टिप्पणी कर हापुड़ के एक थानाक्षेत्र की किशोरी को 32 सप्ताह के गर्भ का गर्भपात कराने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वह बच्चे के जन्म पर होने वाले सभी खर्च स्वयं उठाए। 13 वर्षीय नाबालिग संग उसके एक नजदीकी रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद किशोरी का मेडिकल कराया गया तो उसके गर्भवती होने का पता चला। किशोरी की ओर से गर्भपात कराने की अनुमति की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई।

न्यायमूर्ति शेखर बी सर्राफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंड पीठ ने इस पर मेडिकल बोर्ड गठित कर यह राय देने के लिए कहा था कि क्या उसका गर्भपात कराया जा सकता है, इससे उसकी जान को कोई खतरा नहीं होगा। इस पर मेडिकल बोर्ड की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया कि वर्तमान स्थिति में गर्भ को जारी रखना ज्यादा सुरक्षित है। क्योंकि, गर्भपात से उसकी जान को खतरा हो सकता है। कोर्ट ने मेडिकल बोर्ड की राय के बाद गर्भपात कराने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चे के जन्म पर होने वाले सभी खर्च वहन करे। पीड़िता के पास कोई पारिवारिक सहारा नहीं है। इसलिए बच्चे के जन्म के बाद उसे किसी को गोद दिया जा सकता है। कोर्ट ने इस संबंध में डायरेक्टर सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी को उचित कदम उठाने का निर्देश दिया है।

महिला का शव मिलने के बाद शिनाख्त के प्रयास करती पुलिस

लखनऊ। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पीछे पिलखुनी नहर में एक महिला का शव मिला है। उसका शरीर और चेहरा तेजाब जैसे पदार्थ से जलाया गया था। मुंह से खून बह रहा था। कोतवाली पुलिस के अनुसार शव नहर में कहीं से बहकर आया है। आसपास के थानों से संपर्क कर शव के शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

पिलखुनी नहर में महिला का शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। कोतवाली पुलिस ने आशंका जताई कि एक दिन पहले हत्या कर शव नहर में फेंका गया है। महिला की उम्र करीब 35 वर्ष होगी। उसके शरीर पर महरून कलर का कुर्ता और सलवार था। इंस्पेक्टर रितेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। महिला कौन थी, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सुरक्षा निदेशालय करेगा गांव नौरथा की घटना की जांच, तीन दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

अलीगढ़। मामले में पावर कारपोरेशन ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने का आदेश जारी कर दिया है। सुरक्षा निदेशालय को पूरे मामले की जांच सौंप दी गई है। इधर, पीड़ित परिवार को अभी तक आर्थिक सहायता नहीं मिली है। 26 अगस्त तड़के गांव नौरथा में ट्रांसफार्मर फटने के बाद खौलते तेल से किसान परिवार बुरी तरह झुलस गया था। जिसमें किसान की मृत्यु हो गई थी। इसमें पावर कारपोरेशन ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने का आदेश जारी कर दिया है। सुरक्षा निदेशालय को पूरे मामले की जांच सौंप दी गई है। इधर, पीड़ित परिवार को अभी तक आर्थिक सहायता नहीं मिली है। 27 अगस्त को बेसिक शिक्षा मंत्री भी पीड़ित परिवार से मिले पहुंचे थे। इधर, अधीक्षण अभियंता की तरफ से भी इस पूरे मामले में जांच टीम गठित कर दी है। जांच टीम का नेतृत्व अधिशासी अभियंता लक्ष्मी शंकर कर रहे हैं। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण क्षेत्र रविकांत मिश्र के अनुसार जिले की ओर से अलग जांच टीम गठित की गई है। अधीक्षण अभियंता स्तर से तीन दिन में जांच रिपोर्ट मांगी गई है।

72 घंटे बाद भी नहीं बदला गया ट्रांसफार्मर

अतरौली के गांव नौरथा में हुई घटना के बाद भी क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर अभी वहां से हटाया नहीं गया है। जिससे एक दर्जन ट्यूबवेल प्रभावित हो रहे हैं। अधीक्षण अभियंता रविकांत मिश्र के अनुसार जांच पूरी होने के बाद ही ट्रांसफार्मर को वहां से हटाया जाएगा।

ट्रांसफार्मर फुंकने पर कार्रवाई तय...यहां तो फटा है

पावर कारपोरेशन में 16 केवीए से लेकर 1000 केवीए तक के ट्रांसफार्मर फुंकने पर कार्रवाई तय है। यहां तो ट्रांसफार्मर फटा है... इसके जिम्मेदार कौन हैं? किस किस पर कार्रवाई की जाएगी? यह अभी सवाल बना हुआ है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई तय की जाएगी।

लगातार हो रही बारिश के बाद बढ़ने लगा गंगा यमुना का जलस्तर

चार घंटे में 26 सेंटीमीटर बढ़ीं यमुना

प्रयागराज। प्रयागराज में खतरे का निशान 84.734 मीटर है। तक फाफामऊ में 79.63 मीटर जलस्तर है। इसमें दो सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह छतनाग में 79.49 मीटर है। यहां पर 16 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 80.28 सेंटीमीटर है। इसमें चार घंटे के भीतर 26 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। इससे तटवर्ती इलाकों में खलबली मच गई है। जलस्तर घटना के बाद दुकानदारों ने फिर से घाट के आसपास अपना डेरा डंडा लगाना शुरू कर दिया था। माना जा रहा था कि अब जलस्तर लगातार कम ही होगा, लेकिन मंगलवार की रात से जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि अभी कोई चिंताजनक जैसी स्थिति नहीं है।

प्रयागराज में खतरे का निशान 84.734 मीटर है। बुधवार को दोपहर 12 बजे तक फाफामऊ में 79.63 मीटर जलस्तर है। इसमें दो सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह छतनाग में 79.49 मीटर है। यहां पर 16 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 80.28 सेंटीमीटर है। इसमें चार घंटे के भीतर 26 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि गंगा अभी श्री बड़े हनुमानजी मंदिर से काफी दूर हैं।

छात्रा को पैर से मारने वाले शिक्षक सहित दो प्रधानाध्यापक सस्पेंड

कंपोजिट ग्रांट में भी प्रबंध समिति का कोई प्रस्ताव/अनुमोदन प्रधानाध्यापक के पास उपलब्ध नहीं था। बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी मुरलीछपरा एवं जिला समन्वयक (निमार्ण) कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बलिया को जांच अधिकारी नामित किया है। साथ ही 15 दिन के अंदर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है। निरीक्षण के समय विद्यालय में फर्श टाइलीकरण का कार्य भी अधूरा मिला।

संवाददाता, बलिया। बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने रेवती के प्राथमिक विद्यालय विसौली के सहायक अध्यापक अजीत कुमार यादव द्वारा छात्रा को लात (पैर) से मारने के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। वहीं इसी विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेश यादव को भी बच्चों से सफाई कराने व ईंट ढुलाई कराने के मामले में निलंबित किया है। इससे अलग मुरलीछपरा के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर नौरंगा के प्रभारी प्रधानाध्यापक भानु प्रकाश द्विवेदी के यहां निरीक्षण में बच्चों की कम उपस्थिति और निर्माण में कई तरह की खामियां मिलने पर उन्हें सस्पेंड किया गया है।

बीएसए की कार्रवाई के बाद मचा हड़कंप

बीएसए की ओर से हुई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में खलबली मची है। विसौली के सहायक अध्यापक अजीत कुमार यादव निलंबन अवधि में प्रावि अधैला रेवती, प्रधानाध्यापक महेश यादव उच्च प्रावि मूनछपरा और मुरलीछपरा के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर नौरंगा के प्रभारी प्रधानाध्यापक भानु प्रकाश द्विवेदी उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर कोड़हरा से संबद्ध रहेंगे। खंड शिक्षा अधिकारी ने अपनी जांच आख्या 14 अगस्त को सौंपते हुए अवगत कराया कि कक्षा पांच में पढ़ने वाले बच्चों द्वारा बताया गया कि विद्यालय में प्रधानाध्यापक या सहायक अध्यापक द्वारा मारा–पीटा नहीं जाता है, लेकिन शिक्षक अजीत यादव के द्वारा छात्रा काजल को लात से मारा गया था। उसकी चोटी पकड़ कर खींचा गया था। काजल से पूछने पर उसने इस बात की पुष्टि की। बीएसए ने मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी बैरिया को दी है। साथ ही 15 दिन के अंदर जांच कर रिपोर्ट मांगी है।

रेवती के ही प्राथमिक विद्यालय विसौली के प्रधानाध्यापक महेश यादव ने द्वारा बच्चों से साफ–सफाई एवं ईट ढुलाई कराने का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित हुआ था। खंड शिक्षा अधिकारी रेवती द्वारा दी गई जांच आख्या के आधार पर उनके निलंबन की कार्रवाई हुई है। बीएसए ने बताया कि 12 अगस्त को विद्यालय के बच्चों से साफ–सफाई एवं ईंट ढुलाई कराने का वीडियो प्रसारित हुआ था। प्रधानाध्यापक को सस्पेंड करने के साथ ही प्रकरण की जांच खंड शिक्षा अधिकारी बांसडीह को सौंपी है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक की खुली पोल, बीएसए भी रह गए दंग

मुरलीछपरा के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर नौरंगा के प्रभारी प्रधानाध्यापक भानु प्रकाश द्विवेदी के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई प्रस्तावित करने के साथ जांच आख्या 15 दिन में तलब की है। विगत 16 अगस्त को प्रातः 08:22 बजे कंपोजिट विद्यालय शिवपुर नौरंगा का स्थलीय निरीक्षण बीएसए के द्वारा किया गया था। नामांकित 222 बच्चों के सापेक्ष मात्र 40 बच्चे उपस्थित मिले। जबकि पूर्व के दिवसों में औसत छात्र संख्या 152 एमडीएम पंजिका में अंकित की गई है। निरीक्षण के समय विद्यालय में फर्श टाइलीकरण का कार्य भी अधूरा मिला। बिना हैंडओवर हुए ही ग्राम पंचायत के माध्यम से आपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालय में फर्श, टाइलीकरण का कार्य करा लिया गया। नवीन निर्मित भवन की साइट पंजिका, सामग्रियों, मजदूरी का बिल वाउचर, वित्तीय पंजिका, अभिलेख की मांग करने पर बताया गया कि अभी फर्म से प्राप्त नहीं हैं।

लखीमपुर में तैनात सीओ होंगे गिरफ्तार

वीडियो कान्फ्रेंसिंग से गवाही देना के लिए किया इनकार, 10 सितम्बर तक का समय

दहेज हत्या के केस में सबूत पूरे हो चुके हैं। विवेचक की गवाही के लिए जब उनसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अपनी गवाही देने के लिए कहा गया तो उन्होंने इनकार कर दिया। जिसके बाद विवेचक और गवाह सीओ पीतमपाल सिंह को गिरफ्तार कर 10 सितम्बर तक कोर्ट में लाने के लिए आदेश दिए गए हैं।

दहेज हत्या से जुड़ा है पांच साल पुराना मामला कोर्ट ने आइजी लखनऊ को सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता, बरेली। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गवाही देने से इनकार करने पर अदालत ने बुधवार को मुकदमे के विवेचक को गिरफ्तार करने के लिए विशेष पुलिस बल के गठन का आदेश दिया है। अदालत ने यह जिम्मेदारी आईजी लखनऊ को सौंपी है। दहेज हत्या के पांच वर्ष पुराने मामले में सबूत पूरा हो चुका है। सिर्फ विवेचक की गवाही होना शेष है। इस सिलसिले में लखीमपुर खीरी में तैनात पुलिस उपाधीक्षक पीतमपाल सिंह को तलब किया गया है। बीते दिनों गवाह ने विभागीय अवकाश न मिलने के कारण गवाही देने में असमर्थता जताई।

कोर्ट ने इस समस्या के समाधान के लिए वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए गवाही देने का विकल्प दिया। कोर्ट ने कहा कि गवाह को छुट्टी की आवश्यकता नहीं है, उसे लखीमपुर खीरी की सिविल कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम में जाकर अपना सबूत देना है। इसके लिए 28 अगस्त की तारीख नियत कर दी। पुलिस उपाधीक्षक पीतमपाल सिंह नियत तिथि पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए नहीं पहुंचे।

वीडियो कांफ्रेंलस के जरिए गवाही देने से किया इनकार

विशेष लोक अभियोजक अचिंत द्विवेदी ने कोर्ट को अवगत कराया कि मामले में बुधवार को वीसी के जरिए गवाही होना थी। अभी तक गवाह वीसी में उपस्थित नहीं हुआ है। इज्जतनगर थाने की महिला पैरोकार सीमा ने पुलिस उपाधीक्षक के मोबाइल नंबर पर बात की तो उन्होंने साफ शब्दों में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गवाही देने से इनकार कर दिया। जिसे अदालत ने अक्षम्य मानते हुए आईजी लखनऊ को आदेश जारी किया है कि वह एसपी लखीमपुर खीरी को आदेशित करके विशेष पुलिस बल का गठन करें और आगामी 10 सितंबर तक गवाह पीतमपाल सिंह को हर हाल में कोर्ट में पेश करना सुनिश्चित करें अन्यथा लापरवाह पुलिस अधिकारी के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना पड़ेगा।

खेतों में धूप से बिजली पैदा कर किसान होंगे मालामाल

प्रधानमंत्री कुसुम सी योजना से जुड़ेंगे बिजनौर के अन्नदाता

एसी कूलर हीटर की बिक्री जैसे–जैसे बढ़ रही है वैसे–वैसे बिजली की खपत भी बढ़ रही है। बिजली की खपत बढ़ने से विद्युत आपूर्ति केंद्र तक ओवरलोड हो रहे हैं। इसका खामियाजा जनता को बिजली कटौती फाल्ट और ट्रिपिंग के रूप में भुगतना पड़ता है। प्रधानमंत्री कुसुम सी योजना के तहत किसान सोलर प्लांट के लिए आवेदन कर रहे हैं। अब तक तीन आवेदन आए हैं।

संवाददाता, बिजनौर। खेतों में भी जल्दी ही निगम के लिए किसान बिजली बनाते नजर आएंगे। तीन किसानों ने सोलर प्लांट के लिए आवेदन कर दिया है। साढ़े तीन मेगावाट के सोलर बिजलीघर जिले में लग सकते हैं। किसान खेतों में बिजली पैदा करके यूपीपीसीएल को बेचेंगे और पैसा कमाएंगे। इससे ग्रिड पर लोड कम होगा। बिजली की जरूरत को कम नहीं किया जा सकता, लेकिन ग्रिड के बजाए सोलर बिजली को अपनाकर ग्रिड की खपत को कम किया जा सकता है। नलकूपों के संचालन के लिए तो पहले ही केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जा रही है और सोलर पंप स्थापित कराए जा रहे हैं। वर्तमान में सूर्या योजना से घरों में भी सोलर पैनल लगाने पर सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री कुसुम सी योजना के अंतर्गत 41 कृषि फीडरों को सोलर बिजलीघर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। इस योजना में तीन किसानों ने अपने खेतों में बिजलीघर बनवाने के लिए आवेदन कर दिया है जबकि कुछ और किसान भी नेडा विभाग के संपर्क में हैं। स्याऊ, फुलसंदा व कंभौर में सोलर बिजलीघर बनाने के लिए आवेदन आ चुके हैं। स्याऊ में डेढ़ व बाकी दोनों गांवों में एक एक मेगावाट का सोलर बिजलीघर बन सकता है। ब्लॉक हल्दौर में कंभौर, झालू, नांगलजट, सिकंदरी, हल्दौर, कादरपुर, उलेढ़ा, ब्लॉक देवमल में फजलपुर, गजरौलाशिव, उमरपुर मीरा, मंडावर, स्वाहेड़ी, जलीलपुर में ककराला, मुस्तफाबाद, पीपलसाना, मसीत, स्याऊ, अलाउद्दीनपुर, नूरपुर में नूरपुर, पैजनियां, फीना, रेहटा बिल्लौच, कोतवाली में कल्याणपुर, अकबराबाद, फुलसंदा, नहटौर में बसावनपुर, कड़ीपुरा, अफजलगढ़ में अफजलगढ़, भिक्कावाला, मानियावाला, वीरभानवाला, स्योहारा में पालनपुर, ताजपुर, ठाटजट, उमरपुर खादर, नजीबाबाद में भागूवाला, बड़िया, चंदक, सौफतपुर, तैमूरपुर, तिसोतरा का चयन किया गया है।

बिहार और महाराष्ट्र में अकेले चुनाव लड़ेगी सुभासपा, ओपी राजभर का एलान

संवाद सूत्र, अतरौलिया (आजमगढ़)। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि बिहार और महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन में सीट मिलेगी तो साथ नहीं तो अकेले ही पार्टी चुनाव लड़ेगी। बिहार के 36 जिलों में पूरी तैयारी है। महाराष्ट्र के मुंबई में उन 22 सीटों पर हम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं जहां उत्तर भारतीयों का प्रभाव ज्यादा है।

कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव को लेकर उन्होंने दिशा–निर्देश दिया। जातिगण जनगणना की उन्होंने पुरजोर वकालत की। कहा कि जो काम सपा, कांग्रेस और बसपा नहीं कर पाई वह काम मोदी जी ने किया है। इसे भी वह कराएंगे। बोले, मैं तो 22 सालों से जातिगत जनगणना करने की बात कर रहा हूं। कांग्रेस सत्ता में रहने के बाद भी जातिगत जनगणना की बात कभी नहीं कही। सपा सरकार भी जातिगत जनगणना नहीं करा पाई। इससे बेहतर तो बिहार में नीतीश कुमार की सरकार थी जिन्होंने किसी तरह से जातिगत जनगणना करवाई। आगामी पंचायत चुनाव की तैयारियों की भी चर्चा की। कहा कि यह बैठक नहीं, बल्कि लोगों को एक तरह से ट्रेनिंग दी जा रही है। एनडीए के साथ पंचायत चुनाव लड़ेंगे और जो लड़ेगा उसको हम जीत दिलाएंगे।

संघे शक्ति कलियुगे

एक सवाल पर बोले कि ब्रह्मा जी ने भी कहा था कि संघे शक्ति कलियुगे। आज पूरे प्रदेश में साढ़े सात साल में कोई दंगा नहीं हुआ, यह संगठित होने का प्रमाण है। कहीं भी कोई दंगा हो रहा था तो संविधान के दायरे में त्वरित कार्रवाई हो रही है। कड़े से कड़े कानून लाए जा रहे हैं।

अधिकारी ना सुनें तो हमसे मिलें

मंत्री ने कार्यकर्ताओं को एकता की घुट्टी पिलाते हुए उन्हें संघर्ष का पाठ पढ़ाया। अधिकारी कर्मचारी के मनमाने रवैया पर कहा कि कैसे किसी की नहीं सुनते हैं अधिकारी। वह हमसे मिलें हम सुनाते हैं और वह सुनते हैं। दावा किया कि गठबंधन के सभी साथी बूथ स्तर से लेकर सेक्टर स्तर तक संगठन को सही कर लिए हैं। हम लोग भी यही इंतजार कर रहे हैं कि जल्द ही चुनाव की घोषणा हो और लोगों के दिल में जो संशय बना हुआ है वह समाप्त हो जाए।

बिहार और महाराष्ट्र में सुभासपा अकेले चुनाव लड़ेगी। इसका एलान ओमप्रकाश राजभर ने किया है। उन्होंने कहा कि अगर एनडीए गठबंधन में सीट नहल्ल मिली तो पाटह्न अकेले ही चुनाव लड़ेगी। बिहार के 36 जिलों में पूरी तैयारी है। महाराष्ट्र के मुंबई में उन 22 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं जहां उत्तर भारतीयों का प्रभाव ज्यादा है।

माया‌वती–अखिलेश के बनते–बिगड़ते रिश्ते, आभार–धन्यवाद का नया दौर, खास रणनीति के तहत सपा अध्यक्ष उठा रहे कदम

लखनऊ,संवाददाता। माया–अखिलेश के रिश्तों में समर्थन आभार और धन्यवाद का नया दौर चल रहा है। सपा अध्यक्ष की बसपा के वोट पर नजर है। मायावती माजरे को अच्छी तरह से भांप रही हैं। मायावती और अखिलेश यादव के रिश्तों में समर्थन, आभार और धन्यवाद का नया दौर प्रारंभ हुआ है। सपा अध्यक्ष की बसपा के वोट पर नजर है, तो बसपा सुप्रीमो भी पूरे माजरे को अच्छी तरह से भांप रही हैं। हालांकि, कुछ जानकार संबंधों के इस नए दौर के पीछे यूपी के आने वाले चुनाव का गणित भी मान रहे हैं। हाल ही में मांट (मथुरा) के भाजपा विधायक राजेश चौधरी ने मायावती को यूपी का सबसे अधिक भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। साथ ही कहा था कि पहली बार उन्हें सीएम बनाना भाजपा की गलती थी। इस बयान के खिलाफ अखिलेश यादव खुलकर मायावती के साथ खड़े हुए। मायावती ने भी इसके लिए उनका (अखिलेश यादव)आभार जताया। यह सिलसिला और आगे बढ़ा, जब मंगलवार को अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये मायावती के उस 'आभार' के प्रति धन्यवाद जताया।

अखिलेश लिखते हैं– सच तो ये है कि ये 'आभार' उन लोगों का है जो पिछले दो दिनों से अपने मान–सम्मान की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर अपना सक्रिय विरोध दर्शा रहे हैं। इस विरोध का मूल कारण है, भाजपा के एक विधायक द्वारा शोषित–वंचित समाज की एक सम्मानित भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री का सरेआम किया गया अपमान। हालांकि, मायावती एक ओर अखिलेश यादव का आभार व्यक्त कर रहीं थीं, तो दूसरी ओर दलितों के कोटे में कोटे पर सपा प्रमुख की चुप्पी पर सवाल भी खड़ा कर रही थीं। राजनीति के जानकार मानते हैं कि बसपा का आधार वोटर पिछले लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन से निराश है। सपा को उम्मीद है कि ये वोटर उसकी ओर रुख कर सकता है। भले ही लोकसभा चुनाव में बसपा ने कोई सीट न जीती हो, पर यूपी में उसे 9 प्रतिशत से ज्यादा मत मिले थे।

सपा नेतृत्व अच्छी तरह से जानता है कि मायावती को सम्मान देने पर ही यह आधार वोट उन्हें मिल सकता है। बशर्ते बसपा से हमदर्दी रखने वाले मतदाताओं को यह महसूस हो कि उनकी पार्टी का प्रत्याशी जिताऊ स्थिति में नहीं है। यही वजह है कि एक खास रणनीति के तहत अखिलेश यादव, मायावती के समर्थन में पोस्ट कर रहे हैं। उपचुनाव में इसका लिटमस टेस्ट भी हो जाएगा।

रंगत–मेहनत में पुल्लिंग कौन

गीदड़ का स्त्रीलिंग बताओ, भर्ती परीक्षा में इन सवालों ने उलझाया

कानपुर,संवाददाता। सार, रूप, आय, विवाद में कौन सा शब्द स्त्रीलिंग... गीदड़ का स्त्रीलिंग क्या है? पुलिस भर्ती परीक्षा में पूछे गए रीजनिंग के सवालों ने अभ्यर्थियों को उलझा दिया। तीन दिन हुई परीक्षा की समीक्षा पर विशेषज्ञों ने कहा कि सवाल कम आए लेकिन कठिन रहे। पिछली बार की तुलना में इस बार गणित के 10 सवाल ज्यादा आए। रंगत और मेहनत में पुल्लिंग कौन? सही जवाब है मेहनत। गीदड़ का स्त्रीलिंग क्या? दिए गए विकल्पों गीदड़िया, गीदड़िन, गीदड़, गीदड़ी में से गीदड़ी सही है। सार, रूप, आय, विवाद में कौन सा शब्द स्त्रीलिंग है? सही जवाब है आय। तीन दिन चली पुलिस भर्ती परीक्षा में रीजनिंग के इस तरह के सवालों ने अभ्यर्थियों को उलझाकर रख दिया। पिछले साल की अपेक्षा पांच प्रश्न कम जरूर आए, लेकिन जो 50 सवाल आए उनमें खासी मशक्कत करनी पड़ी। इस बार गणित के करीब 10 सवाल ज्यादा रहे। शहर में पुलिस भर्ती परीक्षा 23 अगस्त से तीन दिन तक चली। अभी 30 और 31 अगस्त को और होनी है। तीन परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के आधार पर विशेषज्ञों ने समीक्षा की है। परीक्षा में गणित, रीजनिंग, जीएस और सामान्य हिंदी के प्रश्न आए हैं। चारों विषयों में 37, 38, 37, 38 का अनुपात होता है, लेकिन पिछले साल और इस साल ऐसा नहीं देखने को मिला। पुलिस भर्ती की तैयारी कराने वाले रामजी शुक्ल ने बताया पिछली बार गणित के 18 से 19 प्रश्न पूछे गए थे। इस बार 27 से 28 प्रश्न आए हैं। प्रश्नों को काफी घुमावदार बनाया गया। सवाल को समझना काफी मुश्किल भरा था।

सामान्य अध्ययन में यूपी स्पेशल के भी सवाल कम आए

सामान्य अध्ययन में यूपी स्पेशल के प्रश्न नहीं आए। पिछली बार 8–10 प्रश्न आए थे। इस बार एक–दो ही सवाल आए। रामजी का कहना है कि यूपी स्पेशल सवाल कम आने से बिहार, हरियाणा या अन्य राज्यों के छात्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा होगा। वेदों में मान अधिकार किस अवधारणा में दर्शाया है, भारत में मोबाइल फोन पर जीएसटी क्या है जैसे प्रश्न पूछे गए। इस बार परीक्षा का स्तर भी उच्च रहा है। पुस्तकों, फुल फार्म, साइबर सेल से भी प्रश्न पूछे गए। एप्टीट्यूड के सवाल काफी कम आए।

रीजलनग के कुछ और सवाल

अनीश की ओर इशारा करते हुए एक महिला ने कहा कि उसकी मां मेरी मां की इकलौती बेटी है, वह महिला अनीश से किस प्रकार से संबंधित है। इसके अलावा एक कक्षा में सांबू ऊपर से 10वें और नीचे से 36वें स्थान पर है तो कक्षा में कितने छात्र हैं।

लहदी के सवाल

श्याम को पुस्तक पढ़नी है, यह किस वाच्य में है। यामा के रचयिता कौन हैं। मौखिक, मयंक, विकार, मुखर में मौन किसका विलोम है जैसे शब्द पूछे गए।

सरताज की हथेली ने खोला हत्या का राज

गूगल पर सर्च किया हत्या का तरीका

दिल्ली से खरीदे ग्लब्स और चाकू, फिर पत्नी को बेरहमी से मार डाला

संवाद न्यूज बदायूं । बदायूं के उझानी में अपनी पत्नी निदा की हत्या करने का आरोपी सरताज काफी समय से योजना बना रहा था। हत्या कैसे की जाए, इसके लिए वह गूगल में सर्च कर तरीके ढूंढ रहा था। गला दबाकर हत्या करना उसे आसान लगा। इसके लिए उसने दिल्ली से ग्लब्स व चाकू खरीदा। घटना के खुलासे के साथ ही पुलिस ने इन्हें भी बरामद कर लिया।सरताज ने पुलिस को बताया कि निदा ने उसे बेइज्जत करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी। धमकी देती थी कि वह उसे व उसके परिवार वालों को जेल भिजवा देगी। उसके लिए बेहद गंदे शब्द प्रयोग करती थी। जबकि शादी के बाद तीन साल वह मायके में रही।

तानों व रोजाना के लड़ाई झगड़ों से तंग आकर सरताज ने निदा की हत्या करने की ठान ली। इसके लिए उसने गूगल पर हत्या करने के तरीके ढूंढकर देखता था। वह पिछले कई दिनों से सर्च कर रहा था कि गला दबाकर हत्या कैसे की जाती है। तब उसे हाथों से गला दबाकर मारने व चाकू से गला रेत कर मारने, दोनों तरीके पता चल गए।

इसके बाद सरताज ने दिल्ली से ग्लब्स व स्टील का चाकू खरीदा। सरताज ने निदा को बताया कि उसके मायके कासगंज में एक वैध इलाज करते हैं। पहले बदायूं अपने घर जाएगा, इसके बाद दोनों कासगंज चलेंगे। इस पर निदा यहां आने को तैयार हो गई। मंगलवार तड़के दोनों उझानी पहुंचे। सरताज ने पहले निदा का गला दबाया। वह बेहोश हो गई लेकिन उसकी सांसें चल रही थीं। इस पर चाकू से दो बार उसका गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। लूट की घटना सही लगे इसके लिए उसने गुन्नौर के पास निदा के पर्स से मोबाइल निकालकर स्वीच ऑफ कर बस में ही छोड़ दिया।

भाकियू नेता के बेटे और दोस्त ने रची थी साजिश

मशहूर होने के लिए ट्रेन पलटाना चाहते थे कमलेश और मोहन, पुलिस के सामने चौंकाने वाला कबूलनामा

कानपुर,संवाददाता। फर्रुखाबाद में स्पेशल पैसेंजर ट्रेन को पलटाने की साजिश दो युवकों ने रची थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। नाम कमाने के लिए आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया था। फर्रुखाबाद में तीन दिन पूर्व भटासा स्टेशन के पास पटरी पर लकड़ी का लट्ठा रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश कर दिया। दोनों युवकों ने पुलिस को बताया कि वे ट्रेन पलटकर मशहूर होना चाहते थे। दोनों को न्यायालय से जेल भेज दिया गया।शुक्रवार रात करीब 11:15 बजे कासगंज–फर्रुखाबाद रेल मार्ग पर भटासा स्टेशन के पास स्पेशल पैसेंजर ट्रेन के सामने लकड़ी का लट्ठा डालकर उसको बेपटरी करने की साजिश की गई थी। चालक की सूझ–बूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया था। इस मामले में एक मुकदमा आरपीएफ थाना और दूसरा कोतवाली कायमगंज में दर्ज हुआ। सीओ जयसिंह परिहार व प्रभारी निरीक्षक रामअवतार ने घटना में खोजबीन शुरू की।

किसान ने विधवा भाभी और भतीजी के साथ दी जान...

इसलिए बेची थी एक बीघा जमीन, सामने आई चौंकाने वाली वजह

कानपुर,संवाददाता। यूपी के इटावा जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक किसान ने विधवा भाभी और भतीजी के साथ जहर पीकर जान दे दी। मां ने बताया कि बेटे ने भाभी और पौत्री के साथ सूदखोर के दबाव में जान दी है। इटावा के सैफई में कर्ज में डूबे किसान ने तनाव में आकर विधवा भाभी और भतीजी के साथ कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पी लिया। तीनों की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक किसान पर करीब तीन लाख रुपये का कर्ज था। सूदखोरों के दबाव बनाने पर यह कदम उठा लिया।

सैफई थाना क्षेत्र के भदेई गांव निवासी दयाशंकर (28) पुत्र बीरेंद्र सिंह ने भाभी पूजा (30) पत्नी उमाशंकर व भतीजी एक वर्षीय शिवी को सोमवार सुबह करीब 10 बजे घर पर कोल्ड ड्रिंक में सल्फास मिलाकर पिला दिया। दयाशंकर ने भी कोल्ड ड्रिंक पी ली। घटना के समय किसान की मां गांव में अपने दो पौत्र व पौत्रियों के साथ गई हुई थीं। जब वापस आईं तो मासूम सहित तीनों को घर के आंगन में तड़पता देखा। महिला की चीख–पुकार सुनकर आए पड़ोसियों ने निजी वाहन से सभी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां सोमवार देर रात दयाशंकर व भतीजी शिवी की मौत हो गई। इलाज के दौरान पूजा ने मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे दम तोड़ दिया।

मां सरोज देवी ने आरोप लगाते हुए बताया कि पड़ोस के तीन लोग गांव में दुकान किए हुए हैं। वहां पर वह शराब बेचते हैं। पहले उन्होंने बेटे को उधार शराब दी। बाद में कई गुना बिल बनाकर कर्जा चढ़ा दिया। कर्ज चुकाने के लिए एक साल पहले एक बीघा खेत बेच दिया था। उसके तीन लाख रुपये यह लोग ले चुके थे। दो दिन से आरोपी बेटे को प्रताड़ित कर रहे थे। बताया कि उसके बड़े पुत्र उमाशंकर की दो साल पहले कैंसर की वजह से मौत हो गई। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि मौके पर पहुंचकर एसपी ग्रामीण और सीओ ने जांच की है। जांच के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

एक बीघा जमीन बेचकर पिता ने चुकाया था तीन लाख का कर्ज

विधवा भाभी, भतीजी के साथ जहर पीकर आत्महत्या करने वाले किसान के पिता ने एक साल पहले एक बीघा जमीन बेचकर बेटे का तीन लाख रुपये का कर्ज चुकाया था। उसके बाद भी किसान का सूदखोरों ने पीछा नहीं छोड़ा, तीन लाख रुपये की और मांग कर रहे थे।

वहीं, किसान की पत्नी शराब और कर्ज से परेशान होकर दो साल पहले उसे छोड़ कर चली गई थी। दयाशंकर के पिता बीरेंद्र सिंह ने बताया कि उसके पास छह बीघा जमीन है। जिसमें एक बीघा जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा था। जिसकी अभी नाप–जोख नहीं हुई है।

एक साल पहले उसका बेटा काफी परेशान था, जब हमें पता चला कि उसने गांव के तीन लोगों से शराब पीने के लिए कर्जा चढ़ लिया था। तब उन्होंने एक बीघा जमीन बेच दी थी। उक्त लोगों को तीन लाख रुपए दिए थे। अब उसके पास चार बीघा जमीन है।

बीते दो–तीन दिन से यह लोग फिर से हमारे बेटे पर तीन लाख रुपये का कर्ज बताने लगे। जिससे वह काफी परेशान हो गया था। दयाशंकर की 2021 में शादी हुई थी। उसकी एक बेटी है। पत्नी दो साल पहले शराब अधिक पीने और कर्जा चढ़ने की वजह से बेटी को लेकर घर छोड़कर चली गई। जिसका कोर्ट में मामला भी चल रहा है। मां सरोज देवी ने बताया कि उनके पति दिव्यांग हैं। अब इन मासूम बच्चों को कैसे पालेंगे। छोटे बेटे की पत्नी भी घर छोड़कर अपने मायके चली गई। वहीं सोमवार शाम चाचा–भतीजी के शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचे। जहां सभी की आंखें नम हो गईं। बच्ची के शव को दफनाकर अंतिम संस्कार किया गया। उधर मेडिकल कॉलेज में भर्ती मां ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद दिव्यांग पिता और मां का रो–रोकर बुरा हाल है।

'बहन मेरा अपहरण हो गया है...

इन्हें एक लाख रुपये ट्रांसफर कर दो', सिपाही के बेटे ने इसलिए रचा अपहरण का नाटक

गाजियाबाद। सिपाही के बेटे ने अपहरण का नाटक रच डाला। सिपाही के बेटे ने सिपाही भर्ती परीक्षा देने के बाद रात में बहन को मुंह में कपड़ा ठुंसे हुए और हाथ–पैर बंधे होने की फोटो व्हाट्सएप पर भेजी। साथ ही कहा कि मेरा अपहरण हो गया है...हापुड़ में पीएसी में तैनात हेड कांस्टेबल कृष्ण गोपाल के बेटे रोहित (19) ने ऑनलाइन एप पर पैसा लगाने के लिए अपने ही परिवार से फिरौती वसूलने की साजिश रच डाली। इसके लिए उसने अपना अपहरण हो जाने का नाटक किया।

रविवार को यूपी पुलिस की सिपाही भर्ती परीक्षा देने के बाद रात में उसने बहन को मुंह में कपड़ा ठुंसे हुए और हाथ–पैर बंधे होने की फोटो व्हाट्सएप पर भेजकर कहा– मेरा अपहरण हो गया है, तुम्हें अपना भाई जिंदा चाहिए तो इसी मोबाइल नंबर पर जल्द से जल्द एक लाख रुपये ट्रांसफर कर दो।एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि परिवार के लोग शुरू में यही समझ रहे थे कि उसका अपहरण हो गया है लेकिन पुलिस की जांच में साफ हो गया कि यह उसी का रचा हुआ ड्रामा है। परिवार के साथ कौशांबी में पीएसी आवास में रहने वाले रोहित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का बहराइच जिला इन दिनों सुर्खियों में हैं। यहां पिछले कुछ समय से आदमखोर भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। पिछले करीब डेढ़ महीने में इन भेड़ियों ने नौ लोगों की जान ले ली है जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। उधर भेड़ियों को पकड़ने के लिए वन विभाग की कई टीमें लगी हुई हैं। वन विभाग सुरक्षा के लिए ड्रोन मैपिंग कर रहा है। साथ ही थर्मल ड्रोन से भी भेड़ियों को पकड़ने के लिए निगरानी जारी है। अब तक चार भेड़ियों को पकड़ा भी जा चुका है। आइये जानते हैं कि यूपी के बहराइच में भेड़ियों के आतंक का मामला क्या है? भेड़ियों का आतंक कब से शुरू हुआ? इससे कितना नुकसान हुआ है? भेड़ियों को पकड़ने के लिए प्रशासन क्या कर रहा है?

यूपी के बहराइच में भेड़ियों के आतंक का मामला क्या है?

बहराइच के महसी तहसील क्षेत्र में भेड़ियों ने दहशत मचा रखी है। बीते डेढ़ महीनों में भेड़ियों के झुंड ने महिलाओं और बच्चों समेत नौ लोगों की जान ले ली है। पिछले चार दिनों में दो लोग, एक महिला और एक बच्चा, भेड़ियों का शिकार बन गए। इसके अलावा, भेड़ियों ने 35 लोगों को घायल कर दिया है, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। करीब 50 गांवों में भेड़ियों के हमले से लोगों में डर का माहौल है। महिलाएं अपने बच्चों के साथ घर के अंदर रहती हैं, जबकि पुरुष रात में अपने इलाकों में पहरा देने को मजबूर हैं। कुछ परिवारों ने तो अपने बच्चों को दूसरे शहरों में अपने रिश्तेदारों के यहां भेज दिया है।

> उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में आदमखोर भेड़ियों का पहला हमला इसी साल मार्च की शुरुआत में हुआ था। हालांकि, जुलाई के बाद हमलों की संख्या बढ़ गई है। ये भेड़िये अक्सर घरों में सो रहे बच्चों को निशाना बनाते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए 'ऑपरेशन भेड़िया' चलाया जा रहा है।

भेड़ियों का आतंक कब से शुरू हुआ?

खूंखार जानवरों का पहला हमला इसी साल मार्च की शुरुआत में हुआ था और तब से यह जारी है। शुरुआत में इन भेड़ियों ने जिले के हरदी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत औराही में उत्पात मचाया था। हालांकि, जुलाई के बाद हमलों की संख्या बढ़ गई है। ये भेड़िये आतंक फैलाने के लिए एक खास पैटर्न अपनाते हैं, अक्सर घरों में सो रहे बच्चों को निशाना बनाते हैं। जिला वन अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज में छह भेड़ियों का एक झुंड देखा है।

अब क्यों बढ़ गए हमले?

वन विभाग ने 3 अगस्त को एक मादा भेड़िया को पकड़ा था, जिसकी वन प्रभाग लाते समय मौत हो गई। इसके बाद भेड़ियों के हमले तेजी से बढ़े। वहीं इसके बाद 8 अगस्त को एक नर और 18 को एक मादा भेड़िया को भी वन विभाग ने पकड़ा, लेकिन हमलों में कोई कमी नहीं आई। हमले बढ़ते ही गए। इसके बाद ग्रामीण झुंड की मुखिया के मौत के बाद बदला स्वरूप हमला करने की भी बात कह रहे हैं। इस बीच, वन्य जीव प्रभाग के सेवानिवृत्त डीएफओ ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया कि भेड़िया काफी चालाक और बदले की भावना वाला जानवर है। नदी के कछार में मांद बनाकर स्थानीय जंतुओं का शिकार करता है। मनुष्यों पर बहुत की कम हमले करता है, लेकिन इसमें बदले की प्रबल भावना होती है। उन्होंने बताया कि इनके बच्चे को मारने पर कुनबे का मादा या नर मुखिया उग्र होकर हमले करता है। हरदी में भी हो सकता है किसी ने इनके बच्चे को छति पहुंचाई हो, जिसके बाद से सभी बदले की भावना से हमले कर रहे हों। इस समय महसी इलाके में आदमखोर भेड़िए सक्रिय हैं। इसी इलाके में जनवरी महीने में एक खेत में ट्रैक्टर से जुताई के दौरान भेड़ियों के दो शावकों की मौत हो गई थी। इस खेत में भेड़िया मांद बनाए थे। इसके बाद से ही भेड़िये हमलावर हुए।

इससे कितना नुकसान हुआ है?

महसी इलाके के गांवों में दहशत का आलम यह है कि किसान छुट्टा मवेशियों से फसल रखवाली के लिए खेत नहीं जा रहे। इससे उनकी फसल मवेशी चट कर रहे हैं। वहीं नौनिहालों की पढ़ाई भी बाधित है। भेड़ियों के डर से अधिकतर अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं।

भेड़ियों को पकड़ने के लिए प्रशासन क्या कर रहा है?

बीते डेढ़ महीने से 32 राजस्व टीम, 200 से अधिक पुलिसकर्मी, मंडलीय समेत 16 वन विभाग टीमें भेड़ियों को काबू करने के लिए मशक्कत कर रही हैं। इन्हें पकड़ने के लिए ऑपरेशन भेड़िया चलाया जा रहा है जिसकी मॉनिटरिंग खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि ऑपरेशन भेड़िया के तहत वन विभाग की 16 टीमें क्षेत्र में तैनात की गई हैं। इस अभियान के तहत ड्रोन कैमरों, इन्फ्रारेड कैमरों और थर्मल इमेजिंग कैमरों की मदद से भेड़ियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। भेड़ियों को बस्तियों में घुसने से रोकने के लिए जाल के साथ पिंजरा भी लगाया गया है। गुरुवार की सुबह एक नरभक्षी भेड़िया पकड़ा गया। वन विभाग की टीम ने पिंजरा लगाकर उसे पकड़ा। नदी के किनारे वन विभाग ने इसे कैद किया लेकिन अभी दो नरभक्षी भेड़िए मिलने बाकी हैं। इससे पहले वन विभाग की टीम तीन भेड़ियों को पकड़ चुकी थी। उधर ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जिन घरों में दरवाजे नहीं हैं, वहां दरवाजे लगवाए जा रहे हैं। इसके लिए सीएसआर समेत अन्य फंड से पैसा दिया जा रहा है। गांवों में रात्रि गश्त किया जा रहा है। आमजन व महिलाओं को भी जागरूक किया जा रहा है। प्रभावित गांवों में जिन घरों में शौचालय नहीं है, वहां शौचालय की व्यवस्था कराई जा रही है। गांवों में प्रकाश व्यवस्था के लिए सोलर लाइट लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि गांवों में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात है। गांव में पीएसी भी लगाई जा रही है। उम्मीद है कि जल्द बचे भेड़ियों को पकड़ लिया जाएगा।

भेड़िया के हमले पर विपक्ष का क्या कहना है?

भेड़ियों के हमले को लेकर सपा सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा और महसी विधायक पर तंज कसे। अखिलेश यादव ने सोमवार को पोस्ट किया कि उत्तर प्रदेश की तराई में चाहे बहराइच हो, पीलीभीत, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी या अन्य कोई जगह, सब जगह से जंगली जानवरों के आदमखोर होने की खबरें आ रही हैं। प्रदेशवासियों के हताहत होने के दुखद समाचार मिल रहे हैं। ऐसे हादसे दो तरह से भाजपा सरकार की नाकामी को दर्शाते हैं। एक तरफ भाजपा राज में जंगलों की अवैध कटाई से पशुओं के निवास स्थान घट रहे हैं, जिससे उनके जीवन–चक्र में भोजन की कमी हो रही है। भाजपा के विधायक जी दिखावटी सहानुभूति का प्रदर्शन करने के लिए हाथ मे बंदूक लेकर आदमखोर पशु के पग चिह्नों को तलाशने का काम करने का वीडियो बनवाकर, सोशल मीडिया पर अपने झूठे जन–सरोकार को दर्शा रहे हैं। उन्हें अपनी ही सरकार के न मंत्रालयों पर भरोसा है, न विभागों पर। भाजपा विधायक से आग्रह है कि किसी की मृत्यु पर ऐसे असंवेदनशील तरीके से पेश न आएं, ठोस उपाय करें, जिससे जनता का अनमोल जीवन बचाया जा सके।

तेंदुओं ने भी फैला रखी है दहशत

बहराइच जिले में भेड़िया ही नहीं तेंदुआ भी आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में 19 जनवरी अयोध्यापुरवा निवासी आयशा (11), एक मई को जलिहा में शमा (8), 13 जून धर्मापुर में शाहिद (6) व 12 जुलाई को मनोहरपुरवा में अरविंद कुमार (13) को तेंदुओं ने मारा था। वहीं, इस दौरान तेंदुओं ने अंजलि (8), अर्जुन (7), अयान (4), सलमान (3), रंजना (10), संकटा (55) आदि समेत 17 को घायल किया है।

पीएम मोदी के समक्ष रखी ये पांच मांगें ...

1. अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन की गारंटी के लिए न्यूनतम सेवा 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष की जाए, ताकि केंद्रीय सशस्त्र बलों के कर्मचारियों को भी न्याय मिल सके। 25 वर्ष के कारण उनके साथ भी असंगति पैदा हो गई है।

2. रिटायरमेंट/वीआरएस पर अनिवार्य रूप से कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी की जाए, ताकि बुढ़ापे में कर्मचारी अपने पैसे से बेटी के हाथ पीले कर सके। घर बनवा सके, तीर्थ यात्रा कर सके और स्वाभिमान पूर्वक जीवन जी सके।

3. वीआरएस के लिए भी 25 वर्ष की अनिवार्य सेवा की जगह 20 वर्ष की जाए। यह नियम, केंद्र सरकार के ओपीएस में शामिल कर्मचारियों के लिए लागू है। इससे दोनों कर्मचारियों के बीच समानता के अधिकार के कानून का पालन हो सकेगा। ऐसा न होने से एक विसंगति पैदा हो गई है। इसके चलते कोर्ट केस बढ़ेंगे।

4. वीआरएस लेने वाले कर्मचारी को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की तिथि से ही 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन देने की व्यवस्था की जाए न कि रिटायरमेंट डेट से। यहां पर सोचने वाली बात है कि यूपीएस में कैबिनेट का निर्णय है कि वीआरएस लेने वाले व्यक्ति को पेंशन, रिटायरमेंट तिथि यानी 60 साल की उम्र के बाद ही दी जाएगी। इसका मतलब यह हुआ कि सरकार उस व्यक्ति को वीआरएस के बाद दस साल तक कोई पेंशन नहीं देगी। अगर इस बीच रिटायरमेंट की आयु 65 वर्ष तक बढ़ा दी गई तो उसे 15 साल तक कोई पेंशन नहीं मिलेगी। आखिर सरकार यह कैसे निर्धारित कर पाएगी कि वीआरएस लेने वाला व्यक्ति, हर हाल में पेंशन लेने के लिए 60 या 65 वर्ष तक जीवित ही रहेगा।

5. एनपीएस रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट जल्द से जल्द सार्वजनिक की जाए।

दिल्ली। पांच मांगों का जिक्र किया गया है। इनमें अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन की गारंटी के लिए न्यूनतम सेवा 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष करना और रिटायरमेंट/वीआरएस पर कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी करना, शामिल है। नई पेंशन योजना 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' (यूपीएस) पर सरकारी कर्मचारी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि अधिकांश कर्मचारी संगठनों ने यूपीएस का विरोध किया है। वे ओपीएस बहाली की मांग कर रहे हैं। इस बीच 'नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने 91 लाख सरकारी कर्मियों का हवाला देते हुए यूपीएस में कई सुधारों की मांग की है। 29 अगस्त को लिखे पत्र में मुख्य तौर पर पांच मांगों का जिक्र किया गया है। इनमें अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत एश्योर्ड पेंशन की गारंटी के लिए न्यूनतम सेवा 25 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष करना और रिटायरमेंट/वीआरएस पर कर्मचारी अंशदान की ब्याज सहित वापसी करना, शामिल है। डॉ. मंजीत सिंह पटेल ने अपने पत्र में कहा है, एनपीएस रिव्यू कमेटी द्वारा एनपीएस में कुछ बदलाव कर यूपीएस का जो ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है, वह काफी अतार्किक और असंगत है।

इसके चलते पूरे देश में एक बार फिर कर्मचारियों के मन में सरकार के प्रति नकारात्मक भाव पैदा हो गया है। देश के समस्त कर्मचारी जगत को उस वक्त यह विश्वास हुआ था, जब आपके द्वारा स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) को बातचीत के लिए बुलाया गया। कर्मचारियों को यह यकीन था कि सरकार, ओपीएस के संबंध में कोई ऐतिहासिक फैसला लेगी। जब वित्त सचिव (बाद में कैबिनेट सचिव नियुक्त) ने देश के सामने यूपीएस का मसौदा रखा तो कर्मचारी हैरान रह गए। नए पेंशन ढांचे में जो बदलाव किए गए, वे नाकाफी थे। नतीजा, हताश और निराश कर्मचारी, दोबारा से आंदोलन की राह पर खड़े हो रहे हैं।

पर्दे पर फिर रोमांस का जादू चलाने लौटेंगे

सिद्धार्थ मल्होत्रा

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने रोमांटिक जॉनर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से करियर की शुरुआती की थी। कुछ रोमांटिक–कॉमेडी फिल्मों के बाद वे एक्शन जॉनर की फिल्मों में नजर आए। अब ऐसा लगता है कि सिद्धार्थ एक बार फिर रोमांटिक–कॉमेडी जॉनर के लिए वापस आ रहे हैं। खबर है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म प्रेम के विषय पर आधारित होगी। सिद्धार्थ को दर्शकों ने रोमांटिक और एक्शन, दोनों अवतारों में पसंद किया। वहीं अब वे एक बार फिर पर्दे पर रोमांस करते नजर आएंगे। रिपोट्र्स के अनुसार, मिशन मजनू, योद्धा और इंडियन पुलिस फोर्स सहित कई एक्शन फिल्मों में अभिनय करने के बाद वह रोमांस में वापस आने के लिए उत्सुक थे और ऐसा लगता है कि उन्हें इसके लिए एकदम सही फिल्म मिल गई है। दिनेश विजन कथित तौर पर एक रोमांटिक कॉमेडी का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें मल्होत्रा मुख्य भूमिका में होंगे। दावा किया गया है कि निर्माता की प्रोडक्शन फर्म पिछले कुछ समय से अभिनेता के संपर्क में है। पटकथा अभिनेता को पसंद आई और वे रोमांटिक फिल्मों के निर्माण के लिए जानी जाने वाली कंपनी के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हैं। तुषार जलोटा अनाम परियोजना का निर्देशन करेंगे, जिन्होंने फिल्म दसवीं (2022) का भी निर्देशन किया था। सिद्धार्थ मल्होत्रा की 2012 में आई फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' उनकी पहली फिल्म थी और यह एक कॉलेज कैंपस पर आधारित रोमांटिक कॉमेडी थी। इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में काम किया, जैसे कि 2014 की 'हंसी तो फंसी' और 2016 की 'बार–बार देखो'। अभिनेता का मानना है कि उनके प्रशंसक उन्हें इस जॉनर में देखना पसंद करते हैं। यदि सब योजना के अनुसार चला तो यह परियोजना इस साल के अंत में शुरू हो जाएगी। वहीं बात करें सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्मों के बारे में तो आखिरी बार वे 'योद्धा' में नजर आए थे। चर्चा है कि वे सैफ अली खान के साथ फिल्म 'रेस 4' में भी नजर आ सकते हैं।

अब तक का सबसे बोल्ड अवतार

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से डेब्यू करने वालीं पलक तिवारी (च्संा ज्पूंतप) ने कम समय में खुद की अच्छी फैन फॉलोइंग बना ली है। वह अपनी मां श्वेता तिवारी की तरह ही खूबसूरत और फिट हैं।

सोशल मीडिया पर पलक की अक्सर हसीन तस्वीरें सामने आती हैं, जिसे देखने के बाद यूजर्स के लिए उनकी ब्यूटी की तारीफ करना नामुमकिन सा हो जाता है। इसी बहाने कई बार लोग पलक का श्वेता से कम्पैरिजन भी करते हैं, लेकिन अपनी धुन में मस्त पलक को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता।

इमेज पर्दे पर संस्कारी और आफ कैमरा बोल्ड एक्ट्रेस की है। वहीं उनकी बेटी पलक तिवारी भी ग्लैमर दिखाने के मामले में पीछे नहीं हैं। पलक सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फालोइंग एन्जाय करती हैं। सलमान खान के साथ काम कर चुकी ये एक्ट्रेस गोवा में छुट्टियां मना रही है। एक्ट्रेस ने वहां से कमाल की तस्वीरें शेयर की हैं।

गोवा में पलक तिवारी

'किसी का भाई किसी की जान' की ये एक्ट्रेस इन दिनों गोवा में दोस्तों के साथ छुट्टियां एन्जॉय कर रही है। पलक ने वहां से कातिलाना अदाओं से भरी तस्वीरें शेयर की हैं। कभी पूल में, तो कभी झूले पर बैठकर पलक ने गोवा डायरीज से तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी स्वीट स्माइल भी एक वजह है, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

पूल में किलर लुक

पलक ने एक तस्वीर वह शेयर की है, जिसमें वो पूल में हैं। एक्ट्रेस ने अपना फेस न दिखाकर पीठ की तरफ से फोटो क्लिक कराई है। वहीं, एक फोटो पलक की पूल के किनारे बैठने वाली है।

दोस्तों के साथ पलक

ट्रांसपेरेंट ड्रेस में दिखाया जलवा

पलक ने कुछ फोटोज ट्रांसपेरेंट पैंट्स में शेयर की हैं। हालांकि, इसके साथ उन्होंने ब्लैक बिकिनी पहनी है, लेकिन इस पैंट पर भी लोगों की नजर खूब गई है।

फेंस ने कही ये बात

पलक का ये रंग रूप देख कुछ लोगों ने फिर से उनकी तुलना मां श्वेता तिवारी से कर दी। वहीं, कई यूजर्स उनकी तारीफ करते नहीं थके हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'आप हमेशा की तरह गॉर्जियस लग रही हैं।

सेक्सुअल हैरसमेंट के आरोप में एक्टर मुकेश और जयसूर्या के खिलाफ केस दर्ज, एक ने फिल्म सेट पर किया था शोषण

हेमा कमेटी रिपोर्ट के खुलासे से हड़कंप
जयसूर्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज
सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप में फंसी इंडस्ट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कई महिलाओं ने यौन शोषण के बारे में खुलकर बात की है। इन दिनों मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में एक–एक कर अभिनेत्रियां उनके साथ हुई दुष्कर्म की घटना का खुलासा कर रही हैं। एक्ट्रेसेस खुलकर इस बारे में बात कर रही हैं कि कई बार काम के नाम पर उन्हें प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। इस मामले में अब एफआईर दर्ज होना शुरू हो चुकी है।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। जस्टिस हेमा कमेटी रिपोर्ट के तहत यौन शोषण के खुलासों ने फिल्म इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया है। एक–एक कर मलयामल इंडस्ट्री की महिलाएं अपने साथ होने वाले यौन उत्पीड़न के आरोप का खुलासा कर रही हैं और अब इस मामले में केस दर्ज होना भी शुरू हो गया है।

हाल ही में अभिनेत्री मीनू मुनीर ने चार एक्टर्स और अन्य टेक्नीशियन पर सेक्शुअल हैरासमेंट और शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने जाने माने मलयाली अभिनेता और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक एम. मुकेश के खिलाफ आवाज उठाई थी। इसके अलावा मनियन पिल्ला राजू, जयसूर्या और अडावेला बाबू पर भी यौन शोषण का आरोप लगाया था। अब इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप में केस दर्ज

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इरनाकुलम पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मुकेश एम पर अभिनेत्री मीनू मुनीर ने आरोप लगाए थे कि अभिनेता ने कई साल पहले उनका यौन शोषण किया था, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि केरल में पुलिस ने शिकायत के आधार पर अभिनेता जयसूर्या के खिलाफ धारा 354 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

क्या कहा था मीनू ने ?

मीनू मुनीर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उनके साथ हुए यौन शोषण का खुलासा किया था। एक्ट्रेस ने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके खराब एक्सपीरियंस का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था, ''मैं टॉयलेट गई थी। जब मैं बाहर आई, तो अभिनेता जयसूर्या ने मुझे पीछे से पकड़ लिया और बिना मेरी अनुमति के मुझे जबरन किस करने लगे। मैं हैरान रह गई और वहां से भाग गई।"एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कुछ समय बाद एक्टर इडावेलू बाबू ने उनसे फेवर्स की मांग की थी। बता दें कि कुछ दिन पहले मीनू मुनीर ने एक्स प्लेटफॉर्म पर उनके साथ गलत व्यवहार करने वालों का नाम लेकर यौन शोषण का खुलासा किया था। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से कई और सितारों के नाम यौन शोषण मामले में बुक किए गए हैं। फिलहाल इस मामले की जांच ष्ट्र्य करेगी, जो मलयाली फिल्म इंडस्ट्री में हो रहे सेक्शुअल हैरेसमेंट के मामलों की जांच के लिए गठित की गई है।

'सही टाइम पर पाकिस्तान से निकल गए उस्ताद'

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड को 'लिफ्ट करा दे', 'भर दो झोली मेरी', 'भीगी भीगी रातों में' जैसे एक से बढ़कर एक गाने देने वाले अदनान सामी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अब हाल ही में,अदनान सामी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक नेटिजन के कमेंट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जो उन्होंने स्वतंत्रता दिवस पर अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर किया था। अदनान ने पोस्ट साझा कर यूजर के कमेंट पर चुटकी भी ली है।

गायक अदनान सामी ने एक सोशल मीडिया यूजर को जवाब दिया है। यूजर ने कहा था कि उन्होंने भारतीय नागरिकता लेने का सही फैसला लिया है। बता दें कि गायक ने 2016 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी। उस समय, उन्होंने खुलासा किया कि पाकिस्तान में लोगों ने उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। जब से वे भारत आए हैं, तब से उन्होंने हमेशा देश के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, "सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...जय हिंद।" इस पोस्ट में सिंगर ने तिरंगा के साथ तस्वीर पोस्ट की थी। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तानी यूजर ने लिखा, "सही समय पे निकल गए उस्ताद (पाकिस्तान से), हमारे लग गए हैं यहां पर।"गायक ने एक्स पर स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा, "अगली बार मेरी समझदारी पर सवाल मत उठाना।" उनके इस पोस्ट को साझा करने के तुरंत बाद भारतीयों ने कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि वे देश में हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, "कभी नहीं दोस्त... आप बुरे दिन से बच गए और भारत में आप खुश हैं।" दूसरे यूजर ने लिखा, "हम भारतीय भाग्यशाली हैं कि आप हमारे बीच हैं।"

अपने पहले के एक इंटरव्यू में गायक ने बताया था कि उन्हें भारतीय नागरिकता पाने में 18 साल लग गए। अदनान ने जब अपनी मूल नागरिकता छोड़ी थी, तब वह डेढ़ साल तक देश विहीन भी रहे थे और उन्हें भारतीय नागरिकता के लिए दो बार खारिज कर दिया गया था।

रिताभरी ने कहा– दोषी आज भी बिना सजा पाए घूम रहे हैं

रिताभरी ने सीएम को टैग करते हुए अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फिल्म इंडस्ट्री के एक ग्रुप पर सैक्शुअल एब्यूज का आरोप लगाया है। उन्होंने ऐसे लोगों को बेनकाब करने के लिए कहा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'ऐसे गंदे दिमाग और व्यवहार वाले एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर बिना सजा पाए अपना काम करना जारी रखते हैं। यहां तक कि मोमबत्तियां पकड़े हुए भी दिखाई देते हैं जैसे कि वे महिलाओं को कुछ बेहतर समझते हैं।'

रिताभरी बोली– क्या नए एक्टर्स को इससे बचाना हमारी जिम्मेदारी नहीं है ?

रिताभरी ने आगे लिखा, 'क्या उन यंग एक्ट्रेसेस के प्रति हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है जो सपनों के साथ इस प्रोफेशन में आती हैं? उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि यह कुछ नहीं बल्कि एक शुगर कोटेड वेश्यालय है।' रिताभरी का कहना है, 'आइए इन शिकारियों को बेनकाब करें। मैं अपनी साथी एक्ट्रेसेस को इन राक्षसों के खिलाफ खड़े होने के लिए बुला रही हूं। मुझे पता है कि आप को अपनी इमेज की चिंता है, आपको डर है कि आप को कास्ट नहीं किया जाएगा क्योंकि इनमें से अधिकतर लोग प्रभावशाली हैं। लेकिन हम कब तक चुप रहेंगे।'

'बंगाली सिनेमा में भी एक्ट्रेसेस के साथ शोषण होता है

रिताभरी बोली– ममता दीदी इसकी जांच करें, हम किसी की प्यास बुझाने के लिए नहीं हैं।

बंगाली एक्ट्रेस रिताभरी चक्रवर्ती का कहना है कि मलयालम सिनेमा के जैसे बंगाली इंडस्ट्री में भी यौन शोषण और दुष्कर्म जैसी चीजें होती हैं। बंगाल की ब्ड ममता बनर्जी को भी हेमा कमेटी रिपोर्ट की तरह ही इस मुद्दे की जांच करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा– मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न जैसे मुद्दे को उजागर करने वाली हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया है। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह का कदम क्यों नहीं लिया जा रहा है? इतनी सारी रिपोट्र्स जो आई हैं, वे मेरे या मेरे किसी जानने वाली एक्ट्रेस के एक्सपीरियंस से मिलती जुलती हैं।

केएल राहुल के रिटेंशन और कप्तानी पर बोले संजीव गोयनका

संजीव गोयनका बोले– केएल एलएसजी परिवार का अहम हिस्सा
IPL 2025 से पहले हो सकता है मेगा आक्शन
मयंक यादव इन दिनों नेशनल क्रिकेट अकादमी में

केएल राहुल आगामी सत्र में टीम के कप्तान होंगे या नहीं? इस सवाल पर लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका ने कहा कि केएल एलएसजी परिवार का अहम हिस्सा हैं और रहेंगे। मैं किसी तरह की अफवाह पर भरोसा नहीं करता हूं। कप्तान बदलने के बारे में अभी से बात करना ठीक नहीं है। रिटेंशन या कप्तानी पर निर्णय लेने के लिए अभी बहुत समय है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। केएल राहुल आगामी सत्र में टीम के कप्तान होंगे या नहीं? इस सवाल पर लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका ने कहा कि केएल एलएसजी परिवार का अहम हिस्सा हैं और रहेंगे। मैं किसी तरह की अफवाह पर भरोसा नहीं करता हूं। कप्तान बदलने के बारे में अभी से बात करना ठीक नहीं है। रिटेंशन या कप्तानी पर निर्णय लेने के लिए अभी बहुत समय है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

मयंक यादव पर दिया अपडेट

अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि अगर राहुल को एलएसजी रिटेन करती है तो क्या वह टीम के कप्तान बने रहेंगे या नहीं। वहीं, मयंक यादव को लेकर संजीव गोयनका ने कहा, वह मौजूदा समय में नेशनल क्रिकेट अकादमी में हैं। मयंक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आने वाले समय में वह भारतीय टीम के लिए अहम गेंदबाज साबित हो सकते हैं।

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय खेल दिवस

स्पोर्ट्स डेस्क। 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद की 119वीं जयंती है। 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद में जन्मे ध्यानचंद की जयंती पर हर साल देश में 29 अगस्त को खेल दिवस मनाया जाता है। भारत में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। यह हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसे पहली बार 2012 में उत्सव के दिनों की सूची में शामिल किया गया था। इस दिन कई राज्यों में शारीरिक गतिविधियों और खेलों के महत्व को लेकर जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से कई खेल प्रतियोगिताएं और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। इस दिन का उपयोग विभिन्न खेल योजनाओं को शुरू करने के लिए एक मंच के रूप में भी उपयोग किया जाता है। 2018 में इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया मूवमेंट की शुरुआत की थी। आज के दिन ही देश के प्रतिभाशाली एथलीट्स को कई तरह के खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। इनमें राजीव गांधी खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कार जैसे पुरस्कार शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में इन एथलीट्स को सम्मानित किया जाता है।

द्वितीय विश्व युद्ध से पहले तक भारतीय हॉकी टीम का दुनियाभर में दबदबा हुआ करता था। इसमें ध्यानचंद का खास योगदान था। उन्होंने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और ओलंपिक स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की थी। ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आठ स्वर्ण पदक समेत कुल 13 पदक जीते हैं, लेकिन 1936 के बर्लिन ओलंपिक का स्वर्ण कुछ ज्यादा ही खास है। 1936 में 15 अगस्त के ही दिन भारत ने तानाशाह हिटलर के सामने दद्दा ध्यानचंद की अगुआई में जर्मनी को 8–1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। ध्यानचंद के खेल से हिटलर इतना प्रभावित हुआ था कि उसने उन्हें नागरिकता देने तक का मन बना लिया था। लेकिन ध्यानचंद बिल्कुल डिगे तक नहीं। 1936 ओलंपिक उनका आखिरी ओलंपिक था। उन पर कई आरोप भी लगे, लेकिन ये आरोप कभी सिद्ध नहीं हो पाए।

करियर में 400 से अधिक गोल

29 अगस्त, 1905 को प्रयागराज (तब के इलाहाबाद) में जन्में मेजर ध्यानचंद का हॉकी खेल में पूरी दुनिया में कोई सानी नहीं था। उन्होंने करीब 22 साल तक भारत के लिए हॉकी खेला और इस दौरान 400 से अधिक इंटरनेशनल गोल दागे। उन्होंने लगातार तीन ओलंपिक (1928 में एम्सटर्डम, 1932 में लॉस एंजेलिस और 1936 में बर्लिन) में भारत को हॉकी खेल में अपने दम पर स्वर्ण पदक दिलाया था। मेजर ध्यानचंद के पिता सेना में थे और उसके लिए हॉकी खेलते थे। महज 16 वर्ष की उम्र में ध्यानचंद ने भी आर्मी जॉइन कर ली थी। इसी दौरान उन्हें भी मानो जैसे हॉकी से प्रेम ही हो गया था। ध्यानचंद को दुनिया में लगभग 55 देशों के 400 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

जब ठुकराया था हिटलर का प्रस्ताव

कहानी साल 1936 में हुए बर्लिन ओलंपिक की है। जर्मनी के खिलाफ खेले गए हॉकी के मुकाबले में भारत ने उस पर 8–1 से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। मैच में मेजर ध्यानचंद के खेल से जर्मनी का तानाशाह एडोल्फ हिटलर भी मुरीद हो गया था। मैच के बाद हिटलर ने मेजर ध्यानचंद से मुलाकात की और उन्हें अपनी सेना में बड़े पद का प्रस्ताव दिया। हालांकि, उन्होंने बड़ी ही विनम्रता के साथ हिटलर के इस ऑफर को ठुकरा दिया था। उन्होंने इस कदम से पूरी दुनिया में तारीफें बटोरी थी। ध्यानचंद की न सुनते ही हिटलर चुपचाप वहां से चला गया। यह मुलाकात भले ही चंद मिनटों की थी लेकिन इस मुलाकात ने दिखा दिया की ध्यानचंद के लिए अपने देश से बड़ा कोई ओहदा नहीं था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1936 में स्वर्ण पदक जरूर जीता था, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज लहराता न देख ध्यानचंद का मन अंदर ही अंदर दुखी था। हिटलर ने पदक विजेताओं को पार्टी दी थी, लेकिन ध्यानचंद उसमें नहीं गए। वह खेल गांव में ही बैठ गए। उनकी आंखों में आंसू थे। जब टीम के एक साथी ने उनसे पूछा कि आज तो टीम जीती है तो फिर वह रो क्यों रहे हैं, इस पर ध्यानचंद का जवाब था काश यहां यूनियन जैक (ब्रिटिश इंडिया का झंडा) की जगह तिरंगा होता तो उन्हें बेहद खुशी होती। इन्हीं उपलब्धियों के कारण उनके जन्मदिन को देश में 29 अगस्त को खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

हाकी स्टिक से गेंद चिपकने के किस्से थे मशहूर

ऐसा माना जाता है कि मेजर ध्यानचंद हॉकी खेलते थे, तो मानो गेंद उनकी स्टिक से चिपक जाती थी। इस आशंका को दूर करने के लिए हॉलैंड (नीदरलैंड) में एक मैच के दौरान उनकी हॉकी स्टिक को तोड़कर चेक किया गया था। यह दर्शाता है कि विपक्षी उनसे किस हद तक डरते थे। इतना ही नहीं, जापान में भी एक मैच के दौरान उनकी स्टिक में गोंद लगे होने की बात भी कही गई थी। हालांकि, ऐसा कभी कुछ साबित नहीं हुआ। ध्यानचंद अपने उसूलों और नियमों के भी काफी पक्के थे। बताया जाता है कि एक मैच में लगातार कई प्रयासों के बाद भी ध्यानचंद गोल करने में नाकाम रहे। ऐसा उनके साथ पहले कभी नहीं हुआ था। वो बार–बार कोशिश करते पर गेंद गोल पोस्ट के अंदर नहीं डाल पाए। ध्यानचंद के खेल पर न तो दर्शकों और न ही किसी खिलाड़ी को शक था। आखिरकार उन्होंने गोल पोस्ट की लंबाई को लेकर रेफरी से शिकायत की। उनकी इस शिकायत पर सब हैरान थे। हॉकी के खेल इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। ध्यानचंद की शिकायत पर जब गोल पोस्ट को नापा गया, तो नियमों के मुताबिक गोल पोस्ट छोटा था।

मुरीद हुए सचिन तेंदुलकर

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव के रूप में पुरुष और महिला क्रिकेट को सामान प्राथमिकता देने के उनके प्रयासों के कारण भारतीय बोर्ड अन्य संचालन संस्थाओं से काफी आगे निकल गया। शाह ने अक्टूबर 2019 में बीसीसीआई का पद संभाला था।

जय शाह आईसीसी के सबसे यंग चेयरमैन बने
शाह आईसीसी के प्रमुख बनने वाले 5वें भारतीय
विराट–रोहित ने भी जय शाह को दी बधाई

पीटीआई, मुंबई। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष जय शाह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव के रूप में पुरुष और महिला क्रिकेट को सामान प्राथमिकता देने के उनके प्रयासों के कारण भारतीय बोर्ड अन्य संचालन संस्थाओं से काफी आगे निकल गया।

2019 में बीसीसीआई का पद संभाला था

शाह ने अक्टूबर 2019 में बीसीसीआई का पद संभाला था। वह पांच वर्ष तक इस पद पर रहे जिसे अब उन्हें छोड़ना पड़ेगा। वह एक दिसंबर को आईसीसी में अपना पद संभालेंगे। तेंदुलकर उन कई क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्होंने शाह को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

सचिन ने की शाह की तारीफ

तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'उत्साही होना और क्रिकेट के लिए कुछ अच्छा करने की भावना रखना एक क्रिकेट प्रशासक के लिए आवश्यक गुण हैं। जय शाह ने बीसीसीआई सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इन गुणों का अच्छी तरह से उपयोग किया।'

अगली पारी के लिए शुभकामनाएं दी

उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट और पुरुष क्रिकेट दोनों को प्राथमिकता देने की दिशा में उनके प्रयासों ने बीसीसीआई को अग्रणी बना दिया है जिसका अन्य बोर्ड भी अनुसरण कर सकते हैं। मैं उन्हें अपनी अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह सबसे कम उम्र में आइसीसी के अध्यक्ष बने हैं।' शाह आईसीसी के प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय होंगे और तेंदुलकर को आशा है कि वह इस विरासत को आगे ले जाने में सफल रहेंगे।

टेस्ट रैंकिंग में कोहली–यशस्वी को हुआ फायदा

स्पोर्ट्स डेस्क। कोहली दो स्थान के फायदे के साथ बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि यशस्वी भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। यशस्वी एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को आईसीसी की जारी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है।

हालांकि, कप्तान रोहित शर्मा को एक स्थान का नुकसान हुआ है। कोहली दो स्थान के फायदे के साथ बल्लेबाजों की रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि यशस्वी भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। यशस्वी एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित छठे स्थान पर खिसक गए हैं।

रूट शीर्ष पर बरकरार, बाबर को भारी नुकसान

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में 56 और 32 रन की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के हैरी ब्रूक तीन स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और रोहित को पीछे छोड़ा। बाबर को छह स्थान का नुकसान हुआ है और वह संयुक्त तीसरे से नौवें स्थान पर खिसक गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ रावलपिंडी में पहले टेस्ट में वह नाकाम रहे थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान पहले टेस्ट में शतक की बदौलत सात स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम भी सात स्थान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंकिंग पर हैं।

गेंदबाजों में शीर्ष पर अश्विन

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा क्रमशः तीसरे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स चार स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिता फर्नांडो 10 स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर आ गए हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह चार स्थान के फायदे से 33वें स्थान पर और इंग्लैंड के गस एटकिंसन चार स्थान के फायदे से 42वें स्थान पर आ गए और इन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। ऑलराउंडरों की सूची में जडेजा और अश्विन शीर्ष दो स्थान पर हैं, जबकि अक्षर पटेल छठे पायदान पर हैं।

जुलाई 2023 में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच
शैनन गेब्रियल ने 59 टेस्ट में 166 शिकार किए
शैनन गेब्रियल ने सोशल मीडिया पर किया एलान

वेस्टइंडीज के दिग्गज गेंदबाज ने किया संन्यास का एलान

वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज शैनन गेब्रियल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। वह लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने अपने करियर की आखिरी इंटरनेशनल मैच जुलाई 2023 में खेला था। वहीं वनडे टीम में उन्हें 2019 से और टी20 इंटरनेशनल टीम में 2013 से जगह नहीं मिली थी।

शैनन गेब्रियल

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज शैनन गेब्रियल ने बुधवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। वह लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने अपने करियर की आखिरी इंटरनेशनल मैच जुलाई 2023 में खेला था। वहीं वनडे टीम में उन्हें 2019 से और टी20 इंटरनेशनल टीम में 2013 से जगह नहीं मिली थी। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की जानकारी दी। गेब्रियल ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, "पिछले 12 सालों के दौरान मैंने खुद को वेस्टइंडीज के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए समर्पित कर दिया है।

- शैनन गेब्रियल ने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 2012 में की थी।
- 36 वर्षीय गेंदबाज ने अपने करियर में 59 टेस्ट, 25 वनडे और 2 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले और कुल 202 विकेट चटकाए।
- उन्होंने टेस्ट की 104 पारियों में 32.21 की औसत और 3.42 की इकॉनमी से 166 शिकार किए।
- एक टेस्ट में 13/121 उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- वनडे की 25 पारियों में उन्होंने 34.36 की औसत और 5.92 की इकॉनमी से 33 विकेट चटकाए।
- 3/17 एकदिवसीय क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- इसके अलावा 2 टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 3 विकेट झटके हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।